



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २०] मई दिल्ली, शनिवार, मई २०, १९७८ (बैशाख ३०, १९००)

No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 20, 1978 (VAISAKHA 30, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पार्ट १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० ए०-१२०१९/१/७८-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंधीक अधिसूचना दिनांक 18-३-१९७८ का अतिक्रमण करते हुए सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ग) तथा स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्ट० से० का ग्रेड ख) श्री एम० एल० खण्डूरी को १-३-१९७८ से ३१-८-१९७८ तक की अवधि के लिए, प्रथम आगामी आवेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग वाह्य पद पर श्री एम० एल० खण्डूरी प्रतिनियुक्त पर रहेंगे और उनका वेतन समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं० एफ० १० (२४) ई० III/६० दिनांक ४ मई, १९६१ में अन्तर्विष्ट उपरबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

प्र० ना० मुखर्जी,

अव० सचिव

कृते सचिव संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० डी० ७ आर० सी० टी० ४७—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री आर० एन० मुहूर्ती, श्री ए० एस०, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के उप सचिव (प्रशिक्षण) को आयोग में १७ अप्रैल, १९७८ (अपराह्न) से अगले आवेश तक स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

श्री निवास,

अव० सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 मई 1978

सं० ओ० बो० १३२५/७६-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री कंवर सिंह, के० रि० पु० बल के उप पुलिस अधिकारक के स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की, गृह मंत्रालय (डी० पी० ए० आर०) के कार्यालय जाप न संख्या 25013/७७-स्थापना (ए०) दिनांक

26-8-1977 में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की स्वेच्छिक रूप से सेवा निवृत्ति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री कंवर सिंह में उप पुलिस अधिकारी, 29वीं वाहिनी, के ० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 12-4-1978 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० के०बन्दोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विस्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
प्रतिभूति कागज कारखाना,
होमगंगाबाद, दिनांक 19 अप्रैल 1978

॥ पी० एफ० सं० पी० डी०/2/765—चूंकि श्री आर० आर० राव सहायक कार्य प्रबन्धक 10-4-1978 से 22-5-1978 तक 43 दिन के अर्जित अवकाश पर जा रहे हैं, श्री एफ० पी० घटर्जी फोरमैन प्रोडक्शन को रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में सहायक कार्य प्रबन्धक के रूप में तदर्थ आधार पर पदोन्नति किया जाता है।

श० रा० पाठक,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्थान
नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 मई 1978

क० प्रशा०-१/५-५/प्रमोशन/७७-७९/ओ० ओ० ५६/१९२-
श्री एस० ए० एच० जैदी, इस कार्यालय के स्थायी लेखाधिकारी निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर 30-4-1978 अपराह्न को राजकीय सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

उनकी जन्म तिथि 14-4-1920 है।

क० प्रशासन-१/कार्य आदेश ५७/पी० एफ०/एस० पी० गोयल/२०७—उप महालेखाकार (निरीक्षण दिल्ली विकास प्राधिकरण) के पद भारको संभालते हुए श्री एस० पी० गोयल इस कार्यालय के अस्थायी सहायक महालेखाकार निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से 30 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

उनकी जन्मतिथि 20-4-1920 है।

क० एच० छाया,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, आनंदप्रदेश
हैदराबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० ई० बी० I/8-312/78-79/483—महालेखाकार, आनंदप्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एस० धर्म राज अव्यर बो महालेखाकार आनंदप्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000 ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थापना लेखा अधिकारी के पद पर 12-4-1978 अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जायें, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के काबे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० / 8-312/78-79/484—श्री एन० हनुमंत राव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय, आनंदप्रदेश-२ का वेहान्त दिनांक 7-4-1978 को हो गया है।

एस० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उप महा लेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान
जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० प्रशासन II/जी० जी० नी०/64—महालेखाकार राजस्थान ने श्री विश्वामित्र दयाल मित्तल अनुभाग अधिकारी को 17-4-1978 पूर्वाह्न से प्रग्रेटर आदेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानान्तर लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

र० अ० नोरकर,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय, मुख्य लेखा परीक्षक, डाक-तार
दिल्ली-110054, दिनांक 29 अप्रैल 1978
सं० का० आ० प्रशासन 5/26(23(क)(1)अधिसूचनाएं—
डाक-तार लेखा परीक्षा कार्यालय मद्रास के स्थानान्तर लेखा परीक्षाधिकारी श्री टी० एस० रामचन्द्रन निवृत्ति पर दिनांक 31-3-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

लक्ष्मी अनन्द पाटीनी,
उप मुख्य लेखा परीक्षक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6).

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० प्र० 6/247(34)—भारतीय निरीक्षण सेवा, इंजी-नियरी शाखा ग्रुप ए० के ग्रेड III के स्थायी निरीक्षण, अधिकारी (इन्जी०) और पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मंडल में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड I में स्थानान्तर निरीक्षण निदेशक भी बनश्याम एन० गिडवानी दिनांक 31-3-1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु 58 वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० प्र० 6/247(66)/ ५९—स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) और निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी I) की इन्जीनियरी शाखा के ग्रेड III में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री ए० के० विस्वास दिनांक 31-3-1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु 58 वर्ष होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक

कूते महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० ई० II(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 की अधिसूचना सं० ई० II(7) में श्रेणी 2 नाइट्रोट मिश्रण के अधीन “पी० आर० एम०-102” प्रविष्टि के पश्चात्

“विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1979 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग करने हेतु पी० आर० एम०-114” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और खान मंदिरालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० 3015/बी०/22/66/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भंडार अधिकारी श्री डी० सूर चौधरी सरकारी सेवा से, वार्धक्य निवर्तन पर 31 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये।

बी० एस० हुण्ड्रवामी, महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० ए०-19011/226/78-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री ए० टी० सुतोने को 17 मार्च, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान व्यूरो में सहायक अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एल० सी० रणधीर, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० 4-147/77-स्थाना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण श्री अशोक कुमार भाटिया को इस सर्वेक्षण के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र देहरादून में सहायक मानव विज्ञानी (शार रिक) के पद पर अस्थायी रूप से 6 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले ग्रादेश तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० गो० 5360/707—निम्नलिखित अधिकारीयों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षण (श्रृंग बी०) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमात्र में उनके नाम के

सामने दी गई तारीखों से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है :—

| नाम एवं पदनाम (1) | यूनिट/कार्यालय (2) | से (3) |
|--|--|-------------------------|
| 1. श्री प्रकाश चन्द्र मलिक सर्वेक्षण सलेक्शन ग्रेड | संख्या 1 प्रारेखण कार्यालय (मा० प्र०) देहरादून | 6-3-1978 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री बाबू राम, इफ्टसमैन डिवीजन-I सलेक्शन ग्रेड | संख्या 65 (टी० सी० एम०) पार्टी (सर्वेक्षण हवाई) नई दिल्ली | 25-2-78 |
| 3. श्री बी० नीलकान्तन सर्वेक्षण सहायक, सलेक्शन ग्रेड | संख्या 24 पार्टी (व० स०) बैंगलुरु | 1-3-78 (पूर्वाह्न) |

के० एल० खोसला,

मेजर जनरल

भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० 4 (38)/77-स्टाफ I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मार्च रेड्डी तक्क 1लू को आवश्यक जगद्दलपुर में 14-4-1978 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

|सं० 4 (93)/77-स्टाफ I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री हुआन थांगलुआईया को आवश्यक एजल में 20-3-1978 से अगले आदेश तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,

प्रशासन उप निदेशक

हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंदिरालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० ए०-12036/5/77-सिबन्दी I—सूचना और प्रसारण मंदिरालय के पत्र क्रमांक ए०-12018/7/77-एफ०सी०ए० दिनांक 9-3-1978 के अनुसार फिल्म प्रभाग नयो दिल्ली में ले-आऊट कम बैंक ग्राउन्ड आर्टिस्ट के पद का पदनाम बदली होने से श्रीमति पिंग गोपाला किण्णन दिनांक 9-3-1978 से ले आऊट आर्टिस्ट मानी जाएगी।

एम० चन्द्रन नायर,
प्रशासकीय अधिकारी
हृते प्रमुख नियोगी

बम्बई-400026, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० ए०-31014/7/75-सिवन्दी I—फ़िल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता निम्नलिखित स्थानापन्थ इन बिट्टीन एनीमेटरों को फ़िल्म प्रभाग में इन बिट्टीन एनीमेटर के पद पर स्थाई क्षमता में उनके नाम के विपरीत वीर गई दिनांक से नियुक्त करते हैं :—

| क्रम सं० | नाम | दिनांक |
|--|-----------------------|-----------|
| 1 | 2 | 3 |
| 1. | श्री बी० जी० सामंत | 1-3-1971 |
| 2. | श्री एम० ए० नारेंकर | 8-7-1971 |
| 3. | श्री बी० के० वानखेड़े | 29-3-1976 |
| महेन्द्र कुमार जैन, सहायक प्रशासकीय अधिकारी हूते प्रमुख निर्माता | | |

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० ए० 19019/21/77-सी० जी० एच० एस०—I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद से अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० एम० मुथुकृष्णन, आयुर्वेदिक फिजी-शियन ने 10 फरवरी, 1978 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में अपने पद का कार्यभार संभालने पर डा० एम० एल० शर्मा आयुर्वेदिक फिजी-शियन ने 10 फरवरी, 1978 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक
के स० स्या० यो०

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1978

सं० ए० 19015/5/77-प्रशासन I—अपनी सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री बालकिशन, 31 मार्च, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

शामलाल कुठियाला,
उप निदेशक
प्रशासन (सं० व० प०)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1978

सं० ए० 12025/2/77-ओष० अनुभाग—स्वास्थ्य सेवा एतद्वारा डा० ज्योतिमय नन्दी को 7 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय ओषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में सोशिएट आयो केमिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० एस० गोठोस्कर,
ओषध नियन्त्रक

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० 2-13/77-स्थापना (I)—श्री के० के० शर्मा की सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर की गई नियुक्ति दिनांक 30 अप्रैल, 1978 से आगे 31 अगस्त, 1978 तक बनी रहेगी।

इन्द्रराजीत कपूर,
निदेशक प्रशासन

ग्राम विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक अप्रैल 1978

सं० ए० 19025/80/78-प्र० त०—श्री एस० के० मलिक वरीछनिरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 18-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्थ सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० ए०-19025/56/78-प्र० III—श्री बी० के० मिस्तल, वरीछनिरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 1 अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से 6 माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्थ सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० ए०-19025/6/78-प्र० त०—निवर्तन की आयु पूर्ण होने पर श्री बी० के० सिंघल, सहायक विपणन अधिकारी, नई दिल्ली, दिनांक 31-3-1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुये।

वेद प्रकाश चावला,
प्रशासन निदेशक

हूते कृषि विपणन सलाहकार

भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० य०/83/टी० एस०टी०/स्थापना-II/1669—श्री पदम नाभा उल्लाल, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (एस० बी०), तकनीकी सेवाएं प्रभाग, भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र का त्याग पत्र स्वीकार होने पर, उम्होंने दिनांक 9 सितम्बर, 1977 अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1 मई 1978

सं० सी०/५/रसायन/स्था० १/१६४१—निदेशक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने श्री हेमेश उच्चारोति को जो इसी केन्द्र में एक स्थायी फोरमन और स्थानापन वैज्ञानिक अफसर/इर्ज नियर ग्रेड (एस०बी०) हैं १८-३-१९७८ के अपराह्न से पदच्युत किया है।

पी० एस० बैंकटसुब्रह्मण्यम्,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग
विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई ५, दिनांक १४ अप्रैल १९७८

सं० पी० पी० ई० शी०/३(२८८)/७६-प्रशा०/४४८६—श्री एस० बी० जोशी, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस बी को, उनका सबादला नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना से होने पर, १ अप्रैल, १९७८ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए बम्बई स्थित विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग में उसी ग्रेड में नियुक्त किया जाता है।

बी० बी० थाटे,
प्रशासन अधिकारी

क्र्य और भंडार निदेशालय

बम्बई-४००००१, दिनांक २५ अप्रैल १९७८

सं० क्र० भ० नि०/२३(३)/७७-संस्थापन/१२४४१—निदेशक, क्र्य और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्रीमती बी० शाकुन्तला लेखा अधिकारी II एस० आर० ए० य० को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के श्री अब्दुल अजीज शेख सहायक लेखा अधिकारी को रु० ८४०-४० १०००-द० रो०-४०-१२०० के बेतन क्रम में लेखा अधिकारी II पद पर कार्य करने हेतु दिनांक १७-३-१९६८ (पूर्वाह्न) से १८-४-१९७८ (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक २८ अप्रैल १९७८

सं० डी०पी०एस०/२३/(५)/७७-संस्थापन २९२०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या क्रम न०/२३/२/७७ संस्थापन दिनांक १७ मार्च, १९७८ के तारतम्य में निदेशक, क्र्य और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बी० डी० काष्ठपाल सहायक भण्डार अधिकारी के अवकाश बढ़ाने के कारण, श्री जी० सी० गुप्ता, भण्डारी, भण्डार यूनिट (क्र्य नि०) नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना नरोरा को सहायक भंडारी अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु अधिग्रहण समय १५-४-७८ तक के लिए तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक २९ अप्रैल १९७८

सं० नि०/२/१(१६)/७७ प्रशा०-१३३८—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक २३ फरवरी, १९७८ के तारतम्य में निदेशक, क्र्य और भण्डार पारमाणु ऊर्जा विभाग श्री परारी कजाकोहन राधाकृष्णन प्रभारी भण्डारी, भंडार यनिट बी० ई० सी० प्रोजेक्ट कलकत्ता को, इसी निदेशालय में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर अधिग्रहण समय ३० जून, १९७८ तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहा० कामिक अधिकारी

मद्रास-६००००६, दिनांक १० अप्रैल १९७८

सं० एम०आर०पी०य०/२००) १६)/७८-प्रशासन—क्र्य एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार, कलपकम के स्थानापन भंडारी श्री बी० बालकृष्णन को ९ मार्च, १९७८ के पूर्वाह्न से ९ जून, १९७८ तक उसी यूनिट में स्थानापन रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगचारी,
क्र्य अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-५००७६२, दिनांक १९ अप्रैल १९७८
आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रशा०-५/२०/५४७—जब कि यह आरोपित है कि श्री राम गोपी, चौकीदार, ना० ई० स०, भूतकाल में ड्यूटी से आवश्यक अनुपस्थित रहते रहे हैं तथा १८-१०-१९७७ से बिना किसी पूर्व अनुमति के लगातार अनुपस्थित हैं और इस प्रकार से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा ३९ (५) व ३४ के अनुसार कुरी हरकत की है,

और जब कि उक्त श्री राम गोपी को उनके विशेष लगाए गए आरोपों की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० स०/प्रशा०-५/२०/३६९४ दि० २४-१२-१९७७ के बारे दी गई थी जिसमें उन्हें उनके विशेष की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही के संबंध में, उक्त ज्ञापन मिलने की तारीख से ७ दिनों के भीतर की अवधि में, प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्रदान किया गया,

और जब कि उक्त ज्ञापन ज्ञाक विभाग द्वारा बिना वितरित किए ही वापिस लौटा दिया गया,

और जब कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा ४१.२ की आवश्यकताओं के अनुसार जांच आयोजित करने के लिये आदेश सं० ना० ई० स०/प्रशा०-५/२०/७३ दि० ७-१-१९७८ के द्वारा एक जांच समिति गठित की गई,

और जब कि जांच अधिकारी ने श्री राम गोपी को नोटिस सं० ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ए०/२४१-११ दि० ९-१-१९७८ जारी करते हुए उन्हें २०-१-१९७८ को पेश होने को कहा। उक्त नोटिस डाक विभाग द्वारा टिप्पणी “इस मकान में इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं” के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी,

और जब कि जांच अधिकारी ने उक्त श्री राम गोपी के विशेष लगाए गए आरोपों को सिद्ध करते हुए जांच रपट दाखिल की,

और जब कि उक्त श्री राम गोपी को सं० ना० ई० स०/प्रशा०-५/२०/२४० दि० ३०-१-१९७८ के द्वारा यह पूछते हुए कि क्यों न उन्हें सेवा से निकाल दिया जाना चाहिए, एक कारण बताये नोटिस जारी की गई,

यीर जब कि उक्त कारण बताओं नोटिस डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "आसामी लगातार गैरहाजिर" के साथ बिना विसरित किये वापिस लौटा दी गई,

श्रीर जब कि निम्न हस्ताक्षर कर्ता इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त श्री राम गोपी ने बिना किसी पूर्व अनुमति या रचना के इतनी लंबी अवधि तक अनुपस्थित रहकर बुरी हरकत की है, और इसलिए, सेवा में रहने लायक व्यक्ति नहीं हैं,

अब, इसलिए निम्न हस्ताक्षर कर्ता ना० ई० सं० के स्थायी आदेशों के पैरा 43 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 28 (1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 के अन्तर्गत दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा उक्त श्री राम गोपी को तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

श्री प० म्हात्रे,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

राजस्थान, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० रापविष्णु/04621/1(291)/78/स्थल/प्रशा०/993:—
राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायी प्रबरण कोटि लिपिक तथा स्थानापन सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री ए० मुकुन्दन के भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, परमाणु ऊर्जा विभाग,

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 11 जनवरी, 1978 की अधिसूचना सं० 32013/9/77 ई० सी० के क्रम संख्या 6 को संशोधित करते हुए निम्नलिखित रूप में पढ़ा जाए:—

| क्रम सं० | नाम | मौजूदा तैनाती स्टेशन | स्टेशन जहाँ तैनात किया गया | कार्यभार प्रहण करने की तारीख |
|--------------------------|-----|-----------------------------|--|------------------------------|
| 6. श्री टी० आर० शास्त्री | | वैमानिक संचार स्टेशन, केशोद | वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई 29-11-77 (पूर्वाह्न) | |

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार प्रहण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तदर्थे आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्ति किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

| क्रम सं० | नाम | मौजूदा तैनाती स्टेशन | स्टेशन जहाँ तैनात किया गया | कार्यभार प्रहण करने की तारीख |
|------------------------|-----|--------------------------------|--|------------------------------|
| 1. श्री बी० ग्रलगिरी | | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास | 28-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री बी० सी० रेण्डी | | वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद | रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली | 30-1-78 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री ए० भे० टिकू | | वैमानिक संचार स्टेशन, श्रीनगर | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद। | 10-1-78 (पूर्वाह्न) |

बम्बई में स्थानान्तरित होने पर उन्होंने अपने पद का कार्यभार 5 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) को छोड़ दिया।

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना
कलपक्षम, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1267)/78-प्रशासन :—
श्री पी० मणि को 15 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त किया जाता है।
के० बालकृष्णन,
प्रशासनिक अधिकारी

महानिवेशलय नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1978

सं० ए० 39012/1/78-ई० सी० —राष्ट्रपति ने श्री देवेन्द्र सिंह संचार अधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को उनके अनुरोध पर अपने मूल संगठन, विदेश संचार सेवा में प्रत्यावर्तन पर दिनांक 7-4-1978 (अपराह्न) से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ए० 32014/2/77-ई० एस० —महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारों से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

| क्रम सं० | नाम | मौजूदा तैनाती स्टेशन | स्टेशन जहाँ तैनात किया गया | कार्यधार संभालने की तारीख |
|------------------------|-----|--------------------------|----------------------------|------------------------------|
| 1. श्री एम० एस० नागर | . | वै० स० स्टेशन, मुकराई | वै० स० स्टेशन, राजकोट | 31-3-78 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री जी० मुथुलिंगम० | . | वै० स० स्टेशन, विजयवाड़ा | वै० स० स्टेशन, बंबई | 29-3-78 (पूर्वाह्न) |

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई० एस० —महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० आर० कपूर, भंडार सहायक को दिनांक 5-4-78 पूर्वाह्न से और अन्य आदेश होने तक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई विल्ली में भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 38013/1/78-ई० एस० —केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई विल्ली के कार्यालय के भंडार अधिकारी श्री बी० एल० शर्मा निवर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-3-78 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सुरजीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० 1/19/78-स्था०—अधिवर्षता की आयु प्राप्त करने पर, बम्बई शाखा के उप परीयात प्रबंधक, श्री ए० य० नायक 28 फरवरी, 1978 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हुए।

सं० 1/456/78-स्था०—श्री के० जी० के० मूर्ति को 6 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आवेशों तक विशेष संचार सेवा, स्विचिंग काम्पलेक्स, बंबई में अस्थायी रूप से सहायक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० 16/278/77-स्थापना-I—श्रद्धेश, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मोहिन्द्र पाल को दिनांक 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आवेशों तक पांचवीं पंच वर्षीय योजना के अधीन (1) बीज कोष और (2) बीज प्रजनन केन्द्र, हैदराबाद, के क्षेत्रीय वन अनुसंधान केन्द्र, जबलपुर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/281/77-स्थापना-I—श्रद्धेश, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने श्री आर० के० कपूर, अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय को 24 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी सहर्ष नियुक्त किया।

भारतीय वन सेवा में चुन लिये जाने के फलस्वरूप श्री आर० के० कपूर, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय द्वारा दिया गया त्यागपत्र 4 मार्च, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

सं० 16/282/77-स्थापना-I—श्रद्धेश, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मोहम्मद सईदुल हक को दिनांक 22 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आवेशों तक अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहर्ष वन अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भट्टाचार्य,

कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1978

सी० सं० 11/3/22/78-स्थापना :—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को अगला आदेश होने तक उनके नाम के सामने दी गई तिथि से तथा निर्दिष्ट स्थानों पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क शुप 'बी' के पद पर स्थानापन्न तौर से काम करने के लिए नियुक्त और तैनात किया गया है।

| क्रम सं० | नाम | स्थान जहाँ पर अधीक्षक | कार्यभार |
|-------------|---|------------------------|-----------------|
| | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क शुप 'बी' के पद पर तैनात किया गया है। | केन्द्रीय उत्पाद शुल्क | ग्रहण करने तिथि |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|------------|------------------|------------------|---------|
| सर्वे/श्री | | | |
| 1. | विक्टोर ई० डेविड | मुम्पालय, मद्रास | 16-1-78 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|--------------------|--|---------------------|----|--------------|----------------------|---------|
| 2. | पी० सुश्रामनियम-II | ए० एफ० टी० मिल, पांडिचेरी, मंडल कार्या- लय | 3-2-78 (अपराह्न) | 4. | बो० वैकटरामन | मुख्यालय, मद्रास | 16-1-78 |
| 3. | के० वरदाराजन | मुख्यालय, मद्रास | 16-1-78 | 5. | एस० रामन | मुख्यालय, मद्रास | 16-1-78 |
| | | | | 6. | बी० नागमुणि | पोलाचि एम० ओ० आर० | |
| | | | | | | पोलाचि मंडल कार्यालय | 7-2-78 |

दिनांक 23 फरवरी 1978

सी० सं० 11/3/22/77-स्थापना—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहरालय, मद्रास के निम्नलिखित निरीक्षकों को, अगला आदेश होने तक उनके नाम के सामने वी गई तिथि तथा नाम के सामने निर्दिष्ट स्थानों पर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'बी' के पद पर स्थानापन्थ तौर पर काम करने के लिए नियुक्त और तैनात किया गया है।

| क्रम सं० | नाम सर्व/श्री | वह स्थान जहाँ पर पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक, ग्रुप 'बी' के पद पर नियुक्त किया गया। | तिथि |
|----------|----------------------|---|----------------------|
| 1. | के० ई० हैंडरसन | ए० एफ० टी० लिमिटेड, पांडिचेरी, मंडल कार्यालय | 23-8-77 (अपराह्न) |
| 2. | एम० शिवप्रकाशम | गुडियाम, एम० ओ० आर०-I, तथा एम० ओ० आर०-II कैलोर मंडल कार्यालय | 7-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 3. | एच० महेश्वरां | तकनीकी-I तथा II तथा मन्जूर एम० ओ० आर०, कूचुर मंडल कार्यालय | 22-8-77 (पूर्वाह्न) |
| 4. | एस० धी० कृष्णमूर्ति | फलाबम एम० ओ० आर० कोयम्बतूर-II डिवीजन | 31-8-77 (पूर्वाह्न) |
| 5. | आर० धी० एम० राव | वनियमबादी एम० ओ० आर० कैलोर मंडल कार्यालय | 26-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 6. | जोसेफ सन्डाना | मद्रास-II मंडल कार्यालय | 19-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 7. | एन० रामाकृष्णन | मद्रास-III मंडल कार्यालय | 19-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 8. | वाई० हसनखां | एम० ओ० आर०-I, कोयम्बतूर-I, मंडल कार्यालय | 22-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 9. | एस० अरुणाचलम | पुलियापट्टी एम० ओ० आर० इरोड डिविजन मंडल कार्यालय | 22-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 10. | एस० द्वारकानाथन् | तकनीकी-II, कूचुर, मंडल कार्यालय, | 24-10-77 (अपराह्न) |
| 11. | एस० पार्थसारथी | निरीक्षण मंडल-I, कोयम्बतूर-I, मंडल कार्यालय | 22-9-77 (पूर्वाह्न) |
| 12. | एस० धीमा राव | मद्रास-I, (मंडल कार्यालय) | 21-10-77 (पूर्वाह्न) |
| 13. | एस० जयारामन् | धर्मपुरी एम० ओ० आर० सलिम डिविजन (मंडल कार्यालय) | 14-11-77 (पूर्वाह्न) |
| 14. | एस० सुश्रामनियम | गोवी एम० ओ० आर० इरोड डिविजन (मंडल कार्यालय) | 7-11-77 (पूर्वाह्न) |
| 15. | पी० रामास्वामी आश्वर | गुडियाम (निवारक) कैलोर डिविजन (मंडल कार्यालय) | 7-12-77 (पूर्वाह्न) |
| 16. | एन० एम० रंगास्वामी | रानीपत एम० ओ० आर० कैलोर डिविजन (मंडल कार्यालय) | 31-12-77 (अपराह्न) |

आई० जे० राव
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिवेशालय
बम्बई-400001, दिनांक 25 अप्रैल 1978
(वाणिज्य नौवहन)

सं० 3(8) सी० आर० ए० / 78 :—नौवहन महानिवेशक,
बम्बई, एतत्द्वारा नाविकपाल कार्यालय, कलकत्ता के स्थानापन्थ

अधीक्षक श्री बी० एम० नटर्जी, को 6 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से
आगामी आवेशों तक स्थानापन्थ सहायक नाविकपाल, कलकत्ता,
के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० बाला,
नौवहन उप महानिवेशक

नव तृतीकोरिन, पत्तन

तृतीकोरिन-628004, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 10/8/77-प्रशास० ---मुख्य हंजीनियर और प्रशासक
नव तृतीकोरिन पत्तन डा० वी० आर० कमलनाथन तथा डा०
राजम् कमलनाथन को 30 मार्च, 1978 से स्थानांतरण के आधार
पर नव तृतीकोरिन पत्तन में चिकित्सा अधिकारी (सिविल
सहायक सर्जन के ग्रेड) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दो डाक्टरों का स्थानांतरण हो जाने पर, मुख्य हंजीनियर
और प्रशासक डा० वी० आर० कमलनाथन तथा डा० राजन
कमलनाथन दोनों को 30 मार्च, 1978 से स्थानांतरण के ग्रेड)
के दोनों स्थायी पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल,
मुख्य हंजीनियर और प्रशासक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० ए० 31012/2/73-प्रशासन-पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग श्री सुबे सिंह को केन्द्रीय जल आयोग में दिनांक
30-6-1977 से मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष के पदक्रम में स्थायी
रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19012/680/78-प्रशासन-पांच—विभागीय
पदोन्नति समिति (श्रेणी-ब) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय
जल आयोग श्री के० बी० करोरी, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक
को, सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी में
पदोन्नति पर, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पुणे
में रु० 650-30-740-35-810-८० रो०-880-40-1000-
८० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 17 फरवरी, 1978
के पूर्वाह्न से प्रागामी आदेश तक स्थानापन्न क्षमता में नियमित
रूप से नियुक्त करते हैं।

(2) श्री करोरी केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला
पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी
में दिनांक 17/2/1978 से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा
पर रहेंगे।

जे० के० साहा,
अधर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

निमाण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निमाण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० 1/332/69-ई० सी० 9—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक
निमाण विभाग के स्थायी वरिष्ठ वास्तुक श्री एम० एम० शर्मा
2-76GU/78

के दिनांक 5-12-77 का सेवानिवृत्ति हंसी नोटिस स्वीकार
कर लिया है। तबनुसार श्री एम० एम० शर्मा को दिनांक 5-3-78
(प्रपराह्न) में सेवानिवृत्ति समझा जाए।

कृष्ण कात्त
प्रशासन उपनिदेशक

सवारी डिल्ली कारखाना

मद्रास-38, दिनांक 26 अप्रैल 78

सं० पी० बी०/ जी० जी०/ 9/ विविध-II—श्री पी० एस०
शिवस्वामी, संयुक्त निदेशक, वित्त (भंडार) रेलवे बोर्ड के कार्यालय
से स्थानान्तरित होकर, सवारी डिल्ली कारखाने में छूटी पर
हाजिर हुए और उन्हें 6-2-78 से स्थानापन्न उप वित्त सलाहकार
एवं मुख्य लेखा अधिकारी महानगर परियोजना शेल (कनिष्ठ
प्रशासनिक) रूम में तैनात किया गया।

श्री ए० के० गणेश, शाप अधीक्षक (श्रेणी III) को,
जिन्हें सहायक यांत्रिक हंजीनियर के रूप में श्रेणी II में पदोन्नत
करने के लिए वेतन में रखा गया, 16-2-78 के पूर्वाह्न से सहायक
कर्मशाला प्रबंधक / विनियोग / शेल (श्रेणी II) के रूप में
स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री बी० राजारामन स्थानापन्न कार्यपालक हंजीनियर
(वरिष्ठ वेतनमान) को 16-3-78 से 5-4-78 तक सहायक
हंजीनियर के रूप में श्रेणी II सेवा में पदोन्नत किया गया।
उन्हें पुनः 6-4-78 से वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी शेल के रूप में
वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नत किया गया।

श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न वरिष्ठ लेखा अधिकारी/
कर (वरिष्ठ वेतनमान) को 22-3-78 से सहायक लेखा
अधिकारी / कर के रूप में श्रेणी II सेवा में पदोन्नत किया
गया।

श्री आर० सुन्दरम, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/
कर (श्रेणी II) को 22-3-78 से श्रेणी III सेवा में पदोन्नत
किया गया।

श्री एम० सुम्मारव, स्थानापन्न सहायक विजली हंजीनियर/
नियोग (श्रेणी II) (तृथं) को 1-4-78 के पूर्वाह्न से श्रेणी
III सेवा में पदोन्नत किया गया।

बी० राजारामन
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कूते महाप्रबन्ध

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 78

सं० 26—श्री देवराज सहायक कार्मिक अधिकारी
कि इस समय वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से क.

हैं को 1-8-74 से भारतीय रेल परिचालन सेवा विभाग में
अनियम रूप से द्वितीय श्रेणी में स्थायी किया जाता है।

जी० एच० केसवानी,
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडु, दिनांक 25 अप्रैल 78

सं० ई० / 55/111/93 भाग-II (श्रो०) :—परिवीक्षा-
धीन भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियर सेवा के निम्नलिखित
व्यक्तियों को अवर वेतनमान में इस रेलवे में सहायक यांत्रिक
इंजीनियर के पद पर उनके सामने अंकित तारीख से स्थायी किया
जाता है।

| क्रम सं० | नाम | स्थायी होने की तारीख |
|------------------------|-----|----------------------|
| 1. श्री आर० के० राव | | 20-10-74 |
| 2. श्री जे० एस० मरवाहा | | 1-8-75 |

दिनांक 26 अप्रैल 1978

सं० ई०/55/111/94 भाग-III (श्रो०) :—सिविल
इंजीनियरी विभाग के अवर वेतनमान अधिकारी श्री जे० एन०
पैन्डे को दिनांक 1-9-77 से प्रवर वेतनमान में स्थायी किया
जाता है।

म० रा० त० मूर्ति,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एम० एम० सेल्स एण्ड
इक्सपोर्ट (इण्डिया) प्राइवेट लिं० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० 4672/ 3158-एल० सी० :—अधिनियम 1956
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान
पर एम० एम० सेल्स एण्ड इक्सपोर्ट (इण्डिया) प्रा० लि०
ग नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से
काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी
जायगी।

एम० एल० शाह
रजिस्ट्रार शांक कम्पनीज
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कजूरा कंपनी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 22 अप्रैल 78

सं० 1130/560 (3) / 78 :—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-
द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर कजूरा कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बोम्बे केपिटल प्रोविडेन्ट
एण्ड जनरल इन्सुरेन्स कंपनी लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक अप्रैल 1978

सं० 2203/560 (3) :—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बोम्बे
केपिटल प्रोविडेन्ट एण्ड जनरल इन्सुरेन्स कंपनी लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट
दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० ए० विजयन मेनोन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कायालिय आयकर आयकृत, लखनऊ

आयकर विभाग

सं० 24 —श्री राम अध्यार आयकर निरीक्षक, आयकर
कायालिय शाहजहांपुर को आयकर अधिकारी वर्ग, “ख” के पद
पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-
द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान
में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने दिनांक 19-12-77
के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी वी० वार्ड शाहजहांपुर
के स्वप्न में कार्यभार सम्भाला।

सं० 25 —श्री वी० के० भारद्वाज आयकर निरीक्षक
आयकर कायालिय सक्किल-2 लखनऊ को आयकर अधिकारी
वर्ग “ख” के पद पर आफीसिएट करने के लिए 650-30-740-
35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में
पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने दिनांक 23-12-77 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, एक
वार्ड बरेली के स्वप्न में कार्यभार सम्भाला।

सं० 26 :—श्री वी० के० कोहली, निरीक्षक आयकर
कायालिय, सीतापुर को आयकर अधिकारी वर्ग-“ख” के पद पर^{पर}
आफीसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-
35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत-

किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 19-12-77 के पूर्वाह्नि में आयकर अधिकारी, बी०-वार्ड, सीतापुर के रूप में कार्यभार संभाला:

सं० 27 —श्री आर० एन० भार्गवा आयकर निरीक्षक कार्यालय आयकर आयकर लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० -40-1200 के वेतनमान के पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 29-12-77 अपराह्नि में सहायक नियंत्रक सम्पदा शुल्क इलाहाबाद, के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 28 —श्री जी० एस० मिश्रा आयकर निरीक्षक आयकर कार्यालय लखीमपुर खोरी को आयकर अधिकारी वर्ग -"ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 19-12-77 के पूर्वाह्नि में आयकर अधिकारी, बी० वार्ड लखीमपुर खोरी के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 29 —श्री के० जी० श्रीवास्तव, निरीक्षक आयकर सर्किल-1 बनारस को आयकर अधिकारी, वर्ग -"ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35 810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 27-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी स्पेशल स्कार्ड बनारस के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 30 —श्री ज्योति शंकर, निरीक्षक कार्यालय, नि० सा० आ० आ० (आडिट) लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग -"ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो० - 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी

अतिरिक्त लेखा परीक्षक (इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 31 —श्री सत्यनरायन श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, कार्यालय आयकर मिजापुर को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 26-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी, सी०-वार्ड, मिजापुर के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 32 —श्री मुल्लन (एस० सी०) आयकर निरीक्षक आयकर कार्यालय, सर्किल -11 लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग -"ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 23-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी, डी०-वार्ड मुरादाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 33 —श्री फूल सिंह सिंह (एस० सी०) आयकर निरीक्षक कार्यालय आयकर हरदोई को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1200-द० रो० - 40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 31-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी स्पेशल स्कार्ड इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 34 —श्री राम चरन (एस० सी०) आयकर निरीक्षक कार्यालय आयकर देवरिया को आयकर अधिकारी वर्ग -"ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिये रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 29-12-77 के पूर्वाह्नि आयकर अधिकारी स्पेशल स्कार्ड गोरखपुर के रूप में कार्यभार संभाला।

एस० के० ला०
आयकर आयकर लखनऊ

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० इस०————

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रामीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निवेश सं० 125-ग्राम०/एक्य०—अतः मुझे अमरसिंह
थिशेन

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के ग्रामीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 179/3 सम्लित है तथा जो आराजी 5722
स्थिति सिविल लाइन वरेली में स्थित है (और इससे
उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय वरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1977
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहस्मान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यामान
प्रतिफल से ऐसे बृहस्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रामीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रासितियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शोभाना वनर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र

(अन्तरिती)

3. श्रीमती शोभाना वनर्जी

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राम्यकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अविक्षितयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितयों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अधोद्दस्ताकरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं,
वही प्रर्य होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

कोठी वाके सिविल लाइन वरेली नम्बरी 179/3 जिसमें
आराजी 5722 स्थिति सिविल लाइन वरेली और सम्पत्ति
का वह सब विवरण जो कि शेलडीड दिनांक 10-10-1977
तथा फार्म संख्या 5680 दिनांक 19-10-1977 में दर्ज है
जोकि सब रजिस्टार वरेली के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह विशेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 19-4-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं १० १८०/गौ०/७८-७९/१८६०-६१—प्रतः
मुझे एगबर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है,

और जिसकी सं० पता सं० 23 दाग सं० 129 है तथा जो
तातिमारा गांव, पानवारी मौजा चन्द्रपुर, गौहाटी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध भ्रान्तसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-९-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्तीं
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक कर से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

(1) श्री मगेश्वार कलिता, तातिमारा गांव, पानवारी
मौजा, चन्द्रपुर, कामरूप जिला (आसाम)
(अन्तरक)

(2) मेसर्स मकनि एन्ड सन्स भरालुमुख, गौहाटी ।
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों
में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिक-
माध्यिक हैं, वही प्रथम होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

प्रभुत्वी

जमिन के परिमाप 18 विधा 2 काता और 8 लेचा
जोकि तातिमारा गांव, पानवारी मौजा, चन्द्रपुर, गौहाटी
कामरूप जिला (आसाम) में स्थित है।

एगबर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 17-4-1978

मोहर:

प्रकाश प्राई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/
956—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के अंदर ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिस्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के दृश्यमान
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित क्षयतियों अवैत :—

(1) श्री बाबू लाल छोटे लाल जी अप्रबाल निवासी
मकान नं० 48, स्ट्रीट नं० 4, उषागंग, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद अमीन पुत्र श्री लाल मोहम्मद
निवासी न्यू होस्टल, होल्कर कालेज, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवृत्ति शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रदृश वालों और वर्षों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं वही प्रथा होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया।

अनुसूची

प्लाट नं० 71, जातकी नगर, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. भोपा।

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/957
—अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष(1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हौर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्हौर म., रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को
उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अस्ति:—

- (1) मेसर्स ज्वाम बिल्डर्स "नीलगंगा", मनोरमा गंगा,
इन्हौर (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द्र देसाई निवासी 20, ज्वाम
बिल्डर्स कालोनी, बल्लभ नगर के पास इन्हौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकें।

एक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 20 "ज्वाम बिल्डर्स कालोनी" बल्लभ
नगर के पास इन्हौर।

रा० कु० ब॑ ली
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेज, भोपाल

तारीख: 27-3-1978
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/७७-७८/
१५८—अतः, मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-8-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रतिशत (प्रतिशतों) और प्रतिशती
(प्रतिशतों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या घन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, किसमें
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की ओरा 269 ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की ओरा 269ब की उपओरा (1) के
प्रयोग निम्नलिखित अवित्यों, प्रवर्त्ततः:—

- (1) श्रीमती विमला कुमारी पत्नि श्री वीरेन्द्र कुमार
जालौरी द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री राजेश
जालौरी पुत्र श्री राजमल जालौरी निवासी
विदिशा (2) श्री प्रकाश चन्द्र जालौरी पुत्र
श्री राजमल जालौरी द्वारा पावर आफ एटर्नी
विजय कुमार जालौरी, विदिशा (अन्तरक)
(2) श्रीमती आशा गंगवाल पत्नि श्री संत कुमार
गंगवाल, निवासी मल्हार गंज, इन्दौर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्धस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपडोक्टरम—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 1, स्थित जहां गीरा बाद, भोपाल।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-3-1978

मोहर।

प्रकल्प मार्फ़ाटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
959—अतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपबम्ब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री नानक राम पुत्र श्री सुन्दर दास (2) श्री मोती लाल पुत्र श्री सुन्दर दास सिधी दोनों निवासी 158, पालसीकर कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)

(2) सेठ श्री लक्ष्मण दास पुत्र श्री वायमल (1) श्रीमती हरदेवी बाई पत्नी श्री लक्ष्मण दास निवासी 9, जवाहर तगर, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 5 का भाग (उत्तरी भाग) स्थित पालसीकर कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

पन: प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

तारीख: 27-3-1978

मोहर:

प्रधन आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/77-78/
960—अतः, मुझे, रा० कु० बाली
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रासितियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै
प्रतरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रय उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अक्षितियों अर्थात् :—

(1) (1) श्री मोती लाल पुत्र श्री सुन्दर लाल जी
(2) श्रीमती ज्येष्ठ बाई पत्नी श्री नानक राम
जी दोनों निवासी 158, पालसीकर कालोनी,
इन्दौर (अन्तरक)

(2) (1) श्री मंगाराम व मानमल पुत्र श्री रेवाचन्द्र
(2) श्री भगवान डास भग्नमल जी सभी निवासी
62, काटजू कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है। भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 का भाग (दक्षिणी भाग) स्थित पालसीकर
कालोनी, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्रह्लाद प्राइंटी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोगाल, दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्वेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
961—अतः, मुझे रा० कु० बालीआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपबंद्ध अनुशूला में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 3-9-1977पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपशारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति:—(1) श्रीमती बानन देवी पत्नी श्री मुल्कराज हुरिया
निवासी "संतोष कुटि" 4, तुकोगंज, इन्दौर।
(अन्तरक)(2) (1) श्री फूल चन्द्र जिदल निवासी 33-ए०,
पारसी मोहल्ला इन्दौर, (2) श्रीमती ग्यारसी बाई
पत्नी श्री सदालाल जी अग्रवाल निवासी 43,
मुराई मोहल्ला, इन्दौर। (अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रितमद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधाय 20 के परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 29, स्कीम नं० 31, ट्राफिक रोड नं० 6
व 7, सिटी हम्प्रूबमेन्ट ट्रस्ट, इन्दौर।रा० कु० बाली
सधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख: 27-3-1978

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी ट्री० एन० एस०-----
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वाँ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्राम रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० प्राईंटी ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
962—अतः मुझे रा० कु० बाली,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269वाँ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो खालियर में स्थित
है (और इससे उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, खालियर में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 18-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अन्तरिती
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी छन या प्रथा प्राप्तियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या छन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269वाँ(1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269वाँ(1) की उपरान्त (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती साक्षिती देवी लखोतिया पत्नी स्व० श्री
राम नारायण जी लखोतिया निवासी जयेन्द्र गंज,
शहर, लक्ष्मण, खालियर। (अन्तरक)

(2) (1) श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल
(2) श्री मन मोहन पुत्र श्री विश्वभवर दयाल
अग्रवाल निवासी जयेन्द्र गंज, शहर, लक्ष्मण,
खालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित द्वारा, अन्तरिती के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति रिथर "शिलोले साहब का बाड़ा" मुनिसिपल
नं० (नया) 571/5, बाँड़ नं० 25, जयेन्द्र गंज, लक्ष्मण,
खालियर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 27-3-78
मोहर :

प्रकल्प प्राइंट ट्री. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं. आई० ऐ० सी० /प्रक्री०/भोपाल/77-78/
963—अतः, मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-11-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अन्तीन, निम्नलिखित अविकल्पों, अवृत्ति:—

(1) श्रीमती गीता कुण्डनन पत्नी श्री एस० कुण्डनन निवासी डी०-11, सेन्ट्रल रेलवे एफिसर्स क्वार्टर्स, दादर बाब्बे-14, द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री एस० कुण्डनन पुत्र श्री जी० सात्यानम (अन्तरक)

(2) श्री महावीर प्रसाद मुराना श्री मुवालाल मुराना, डेलपमेन्ट मैनेजर, य० को० बैंक, डिविसनल एफिस, भोपाल। (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सांवधी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं. ई०-1/150, प्ररेश कालोनी, भोपाल।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 27-3-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी० एन० एस०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 अ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च, 1978

निर्देश सं० प्राइंटी ए० सी० एक्टी०/भोपाल/77-78/
964—अतः, मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7-11-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त प्रतिकरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धारा किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय धारा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम धा-
रा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के
अनुवारण में, ये, उक्त अधिनियम को धारा 269 अ को
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अनियतों, बदला—

- (1) (1) श्री सज्जाद हुसैन (2) श्री शबूर हुसैन,
- (3) श्री हफीजुद्दीन, (4) आबिद हुसैन, (5) श्री फैजल हुसैन, व (6) श्री अब्बास हुसैन सभी
पुत्र श्री मुरला मुख्तार हुसैन निवासी बाल-
विहार भोपाल टाकीज, भोपाल। (अन्तरक)
- (2) श्री कल्याण दास उर्फ कल्याणमल पुत्र श्री राम
चन्द्र निवासी 37, सिंधी कालानी, भोपाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
बारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लघुवृक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिषारित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 76, वार्ड नं० 2, स्थित रेजीमेंट रोड;
शाहजहानाबाद, भोपाल।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 27-3-1978

मोहर ।

प्रस्तुप्राइंटी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/396—यसः मुझे,
एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अगस्त, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात् ।—

(1) श्री नवरंगलाल टीबरेवाल पुत्र श्री लादूराम, एड्वोकेट हीराबाग, रामबाग रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाशचन्द्र औसवाल, मोती घौक, खापटा के पास, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रार्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, बी० रोड, पावटा, जोधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति का ग्राउन्ड फ्लोर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1236 दिनांक 26-8-1977 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26 अप्रैल, 1977

मोहर:

प्रस्तुति शाह० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० शा०/अर्जन/397—यतः मुझे,
एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो जोधपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22 अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः मग्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवियों, अर्थात् :—

(1) श्री नवरंगलाल टीवरेवाल पुत्र श्री लादूराम,
एडवोकेट, हीराबाग, रामवाग रोड, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला कंवर पति प्रकाश चन्द्र श्रीसवाल
मोतीचौक, खापटा, जोधपुर। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, पावटा बी० रोड, जोधपुर पर स्थित
मकान सम्पत्ति की प्रथम मंजिल (फर्ट फ्लोर) जो उप
पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1247 दिनांक 22-8-77
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ओर विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० पी० वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-4-1978
मोहर :

प्रधान प्राइंट टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/398—यतः मुझे,
एम० पी० विश्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
भी धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
शिवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 19-वी० है तथा जो मोहनपुरा,
जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1 अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, तिवाने
वें सुविधा के लिए;

ग्रन्त: पर, उक्ता अधिनियम को धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ब की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4-76 GI/78

(1) श्री जसराज पुत्र श्री जवारमल वैहेसियत मुख्ता
ग्राम श्री रायचन्द्र पुत्र जसराज, मोहनपुरा,
जोधपुर। (अन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द्र पुत्र श्री जसराज एवं राजेश कुमार
गांव चन्द्र प्रकाश पुत्रान मूलचन्द्र औसवाल, 19-
वी०, मोहनपुरा, जोधपुर। (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्रत के लिए
कार्याद्वाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोरुस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 19-वी०, मोहनपुरा, जोधपुर पर स्थित मकान
सम्पत्ति जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा क्रमांक 1021 दिनांक
1 अगस्त, 1977 पर पंजीकरण विश्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० पी० विश्व
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26 अप्रैल, 1978
मोहर।

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निवेश सं० राज०/सहा० आ० / ग्रजन/399—अतः मुझे
एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 11-डी० है, तथा जो शास्त्री-
नगर, जोधपुर, में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अक्टूबर, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
ग्राहकीय रूप से रुचित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ब्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवानदास भाटिया पुत्र श्री मोहनलाल
भाटिया, 11-ए०, रोड सरदारपुरा जोधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री खुशालदास पुत्र श्री खेसुखदास, 9 सी०
रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रजन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनम्
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11-डी० सैक्सन 4 शास्त्रीनगर, मसूरिया
जोधपुर पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजियक, जोधपुर
द्वारा क्रम संख्या 1018 दिनांक 20 अगस्त, 1977 पर
पंजीयक विश्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० पी० वाशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 26 अप्रैल 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/400—यतः मुझे,
एम० पी० वाणिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० ए०-५७ है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8 सितम्बर, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्राहितयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मावन लाल पुत्र स्व० श्री तीरथदास आदर्श-
नगर, जयपुर बहैसियत मुख्तारआम श्रीमती शान्ति
देवी पत्नि डा० जसवन्त राय, 7 बी०, अजन्ता
अपारमेंट, 10 गुहसाडे रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) डा० कृष्ण बहादुर सक्सैना पुत्र सरदार बहादुर
सक्सैना एवं श्रीमती विमला पत्नि डा० राजेन्द्र
बहादुर सक्सैना निवासी जयपुर वर्तमान में ईरान,
द्वारा मुख्तार आम श्री गोपाल बहादुर पुत्र सरदार
बहादुर सक्सैना, 7 व 18 जबाहरनगर, जयपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त,
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में
विद्या याद है।

अनुसूची

भूमि का भाग, नं० ए०-५७, शान्तिपथ तिलकनगर,
जयपुर उसपर 'अनफर्निस्ड स्ट्रक्चर' सहित जो उप पंजियक
जयपुर द्वारा कम संख्या 1601 दिनांक 8-9-1977 को
पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वाणिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/401—यतः मुझे,
एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान एवं प्लाट है तथा जो अजमेर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 2 अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए रुप पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
भवीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रधार्ता :—

(1) श्रीमती भगवती देवी पत्नि श्री मुरली मलकानी,
देशबाली मोहल्ला डिग्गी बाजार, अजमेर।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री भगवानदास पुत्र श्री ठाकर रदास, ईसाई
मोहल्ला भगवानगंज, अजमेर (2) श्रीमति
आसुदी बाई पत्नि श्री ठाकर दास, ईसाई मोहल्ला
भगवानगंज, अजमेर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त उपर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रार्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आवासीय मकान और खाली जमीन का प्लाट,
ईसाई मोहल्ला, भगवानगंज, अजमेर में स्थित है जो उप पंजियक
अजमेर द्वारा क्रम संख्या 1757 एवं 1758 दिनांक 2-8-1977
पर पंजिबद्ध विक्रम पत्रों में ओर विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० पी० वाशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सदाचार कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/करवीर/सप्टेंबर '77/351—
यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट क्र० 33, शाह मार्केट
याडे है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, करवीर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन,
तारीख 23-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथोपर्कृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
या और/या

(ब) ऐसी किसीं प्राप्त या किसी भव या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रंगराव आबाजी डोंगाले घोडवडे, राधानगरी,
जिं. कोल्लापुर। (अन्तरक)

(2) शनकरी सहकारी तंबाखू खरेदी विक्री संघ,
लिमीटेड, ई०-1112, कोल्लापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योद्दताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट क्र० 33, शाह मार्केट याडे, करवीर, कोल्हापुर
धेनूफल 284.27 वर्ग भीटर्स।

(जिसे की सब-रजिस्ट्रार करवीर के द्वारा में विलेख
क्र० 1913 दि० 23-9-1977 को लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख: 13-2-1978

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, गणेश खेडे रोड, पुना-411005

पुना-411005, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/सप्टेंबर '77/352—
यतः मुझे, श्री स्वामी आनंद बोधीसत्त्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सर्वे सं० 726, सीटीएम् 726/4 है तथा जो
नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 22-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य भास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पेठे पब्लीक अंड चॉरिटेबल ट्रस्ट

ट्रस्टीज़ :—

(1) एम० जी० पेठे, (2) एम० जी० पेठे,
(3) एस० डब्ल्यू० पेठे, बिल्डिंग, गिरगांव,
जे० एम० रोड बंबई-4। (अन्तरक)

(2) श्री डॉक्टर श्रेकनाथ सखाराम पलवे और श्रीमती
सुशील एकनाथ पलवे महिला को आप-हौसिंग
सोसायटी, शारानपुर, रोड, नासिक-2।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयांशुल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस ग्राह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रांपटी क्र० सर्वे क्र० 726, सी० टी० एस० क्र०
726/4—फ्लाट और इसके ऊपर का मकान जो नासिक
म्युनिसीपल कक्षा में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1002 दि० 22-9-1977
को सब रजिस्ट्रार नासिक के दफतर में लिखा है।)

स्वामी आनंद बोधीसत्त्व
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 15-3-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ० एस० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1978

निर्देश सं० सि० प्रा० 62/12112/77-78 अर्जन (बि)---
यतः मुझे जै० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 16/3 है, तथा जो कोमिसरिएट रोड, सिविल
स्टेशन, बंगलूर (का० डि० नं० 60) में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-8-77
द० वा० नं० 1335/77-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के सिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखत में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. मिसेस रजिया हुमायुन दादा मुहम्मद हुमायुन दादा की
बीबी (अपने प्रतिनिधि द्वारा प्रतिनिधित्व) प्रतिनिधि
मिसेस जेवुलिसा रहिमी नं० 2, सर हबिबुल्ला रोड,
ट० नगर मद्रास-600017 । (अन्तरक)

2. (1) डा० फिलिप अलेक्सांडर
(2) मास्टरी फिलिप अलेक्सांडर, श्री फिलिप अलेक्सांडर
के पुत्र और
(3) डा० मसेस मेरिअमा अलेक्सांडर, इसके प्रतिनिधि
डा० फिलिप अलेक्सांडर की बीबी ।
(4) श्री टी० पि० पंडि ।

नं० 812, पाम ग्रोव रोड, विक्टोरिया ले आउट बंगलूर-
56000 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1335/77-78 ता० 17-8-77)
खति नं० 16/2, कमिसरिएट रोड, कंटोनमेंट, डि० नं० 60
बंगलूर। विकट और विस्तीर्ण सीमाएँ ।
जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।

जै० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 12-4-78

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वी

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 अप्रैल 1978

निर्देश सं० सि० आर० 62/11840/77-78 अर्जन (बी)---

यतः मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नया 138, पुराना 153 है तथा जो रंगस्वामी टेप्ल रोड, बैंगलोर-53 मेरिथ है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बैंगलोर, द० को नं० 1299/ 77-78 मेरिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ढैश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावड़ (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्द्धतः:—

1. श्री मधुकर के श्वेतलाल शाह, केशव लाल के पुत्र नं०-138 रंगस्वामी टेप्ल रोड, बैंगलोर-53 (अन्तरक)
2. श्री बी० ओतमलू, श्री वेलाजी के पुत्र, महावीर ट्रैडर्स, शंकर मार्केट, द० एस० लेन, चिक्कपेट क्रास बैंगलोर-53 (अन्तरिती)
3. (1) मनिलाल लक्ष्मीचंद्र मेहता
(2) चंद्रशेखर पांड्या
(3) डा०मानेकचंद्र वाहिं।
(4) हंदिराज शाह। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति में है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरी से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मेरी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क मेरी विवरण हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1299/77-78 तारीख 8-8-77)

खत्ती नं० 153 (पुराना) नया नं० 138 रंगस्वामी टेप्ल रोड, बैंगलोर।

सीमाएं और विवरण : जैसे दस्तावेज में दिखाया गया है।

जे० एस० राव,
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 12-4-78

मोहर :

प्राक्षप प्राइ० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 12 अप्रैल 1978

निदश सं० सि० आ० र० 62/11985/77-78/अर्जन(वि)—

यतः मुझे जे० एस० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 178/3-7, नथा नं० 7 है, तथा जो I कास नारायण
स्थामि अध्यंगार स्ट्रीट शेषाद्रिपुर बैंगलोर में स्थित है श्रीर इससे
उपायद्वारा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बैंगलोर, द० घां० नं० 1471/
77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 25-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत
अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रसरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिव्वत में वास्तविक
रूप से कथित महीं किया गया है।—

(क) प्रसरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी छन या घन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्—

5-76GI/78

1. श्री के० पापराजु, नं० 178/3-ए I कास, नारायणस्थामि
अध्यंगार स्ट्रीट, शेषाद्रिपुर, बैंगलोर-20। (अन्तरक)
2. श्रीमती शांताबेन, बेनुभाइ लक्ष्मी की पत्नी, नं० 55,
इंडस्ट्रियल सर्कर, यशवंतपुर, बैंगलोर-22।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषणेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

सामग्रीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1471/77-78 ता० 25-8-77)
खसी नं० 178/3-ए० (उत्तराना), नं० 7 (नथा) I कास,
नारायणपिलै अध्यंगार स्ट्रीट, शेषाद्रिपुर, बैंगलोर-20
विवरण और सीमाएँ : जैसे दस्तावेज में खिया गया है।

जे० एस० राव
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 12-4-78

मोहर :

प्राप्त प्राइंटी टी॰ एस॰ एस॰—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर,
बंगलूर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

तिर्देश सं. 62/11679/77-78/एसीक्यू/बी—यतः मुझे
जो० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को यह विषवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6 है, तथा जो Ist मेन रोड, जयमहल एक्स्टेनशन,
बंगलूर-46 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 8/8/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चिन में वास्तविक
रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में
सहिता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

बस: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) की
उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षा—

1. (1) श्री कें एस० भानू सुपुत्र के० शेशाद्री अध्यक्ष
(2) श्रीमती लक्ष्मीभानू पत्नी के० एस० भानू,
(3) मा० मुरली भानू }
(4) मिस विजया भानू } पिता जी का नाम के० एस०
भानू, नं. 6, I मैन रोड, जयमहल, बंगलूर ।
(अन्तरक)

2. (1) दास०टी० मोडी सुपुत्र तेहनूरस
(2) श्रीमती सिल्लो टी० मोडी पत्नी दारा टी० मोडी,
नं. 7, मैन रोड, ब्हाईटफील्ड, बंगलूर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नम्पति के अर्जन के
लिए कार्यालयियों करता है।

उक्त नम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
॥
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के
परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1293/7278 तारीख 8/8/77)
नं. : 6, Ist मैन रोड, जयमहल, बंगलूर-46
बांध : उ०-न० 10-11, 3rd मैन रोड, जयमहल
द०—Ist मैन रोड, जयमहल
प०—न० 102 (नवा-7) Ist मैन, जयमहल
प०—पुराना 104, Ist मैन रोड जयमहल ।

जो० एस० राय
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
तारीख : 14-4-78
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आर० ई० सी० नं० 23/78-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 2/58-525 है जो धोरागली लेन
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी जगदीश प्रसाद घर नं० 21-1-293, रीकाबगंज, हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री प्रेम सच्चदेव पिता योगिन्द्र सच्चदेव घर नं० 1-1-92 मेकालागुडा सकन्दराबाद। (अन्तरिती)
- 3 श्री अमजद अली खान अशमद पुस्तक शाप का मालिक चिरागली लेन हैदराबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मैन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2 घर का नं० 5-8-525 का भाग चिरागली लेन अवीद रास्ता हैदराबाद (जमी का सता पर छत लेवल तक ही) रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2235/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आरा० ई० सी० नं० 34/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० बाराका नं० 10-4-35/1 है जो मासाबटैक में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

23-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापसी उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अर्थ आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
त्तरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवतृत :—

1. श्री सैयद मैमून घर नं० डी०-103 असवानी शाली, पी०
छठ्य० डी० कालोनी, गुलबरगा, कर्नाटक प्रदेश। (अन्तरक)

2. श्रीमती शहजादा बेगम पत्नी कुरबान अली बेग
10-4-35/1 मासाबटैक, हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवटोकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्व का भाग धर नं० 10-4-35/1 मासाबटैक के पास
हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2057/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय
खैरलालाबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एस० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 33/78-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269वाँ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भाग नं० 10-4-35/1 है, जो मासाब टैक्स
में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-8-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (शन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी
करने या उमने बनने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्ष नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में नुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम का आरा 269वाँ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269वाँ की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, पर्यातः--

1. श्रीमती जमीलुनीसा पत्नी सैयद महमूद डी-103 आर्य-
वानी शाही पी०डी०डी० कालोनी गुलबरगा कर्नाटक
प्रदेश। (अन्तरक)

2. श्रीमती युसुप बेगम पत्नी सैयद अलभदार हुसैन
10-4-35/1 मासाबटैक हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मुचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पडमर भाग नं० घर नं० 10-4-35/1 मासाब टैक्स
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2057/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय
खैरताबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप धार्थ ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 32/78-79—यतः मुझे के० एस० वेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० एस 126, 127 है जो पटेलगुडा, बीनगलूर रोड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंड्राहीमपटम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्भालायित उंदृश्य से उक्त अन्तरण लिखत में अन्वित
रूप में रखित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हूँ किसी प्राय की वापिन 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में
पूर्विका के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग का
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 व की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, मर्यादा—

1. मेसर्स—शालीमार ग्रेप बाग भागीदार है :

- (1) आर० के० सोनी पिता स्वर्गीय ताराचन्द्र सोनी
मनगलपली रोड इंड्राहीमपटम तालूक
- (2) बोदुला बैन सी० पटेल पती स्वर्गीय सी० एन० पटेल
बाम्बे में
- (3) शारदा सी० पटेल पिता सी० एन० पटेल
अशोका अपार्टमेन्ट बाम्बे

(4) कल्याणी सी० पटेल पिता स्वर्गीय सी० एन०
पटेल अपार्टमेन्ट बाम्बे ।

(5) यातीन सी० पटेल पिता स्वर्गीय सी० एन० पटेल
अपार्टमेन्ट बाम्बे । (अन्तरक)

2. मैसर्स म० र० फारमस भागीदार है :

- (1) श्रीमती शनीदेवी ५-९-२९/४१ बघीरबाग, हैदराबाद
- (2) ओम प्रकाश खुराना
- (3) शोबा खुराना
- (4) शुशमा खुराना (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी रखने पूर्वांक नमीन में वर्जन के
निए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी
५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय २०-के
परिभाषित हैं, वही मर्यादा दोगा, जो 'उक्त अधिनियम
में दिया गया'—।

अनुसूची

सम्पत्ति का नाम है—“शालीमार अंगूर का बगीचा”
जीरायती जमीन के साथ तमाम ५१.३४ एकरों हैं अंगूर का
बगीचा है घर बौली पैपलैन मोटार पैप और दूसरी चीजें बीनगलूर
रोड पटेल गुडा मनगलपली रोड इंड्राहीमपटम तालूक हैदराबाद
जिला में हैं। इरबिक चीन का अधिकारी प्राप्त है पानी पैपलैन
बगौरा और जिसका सर्वे नं० है :

(ए) सर्वे नं० १२६, १२७ पटेलगुडा रोड मनगलपली
इंड्राहीमपटम तालूक ग्राम पन्चायत के तहत में हैं
मनगलपली

| | वीर्तन |
|----------------|---------------|
| (बी) सर्वे नं० | २९.०२ (खुशकी) |
| 24 | १०.०४ " |
| 33 | ३.३३ " |
| 33 | ०.२० " |
| ३४ A | ०.२० " |
| ३४ AA | १.३६ " |
| ५१ A | २.०० " |
| ५७ AA | १.०० " |
| २५ | १.३२ " |
| ५३ | १.०७ " |

बीनगलूर रोड इंड्राहीमपटम तालूक हैदराबाद जिला में
है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० १७२०/७७ उपरजिस्ट्री कार्यालय
इंड्राहीमपटम में।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : १५-४-१९७८

मोहर :

प्रलेप भाई०टो०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 15 अप्रैल, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 31/78-79—यतः मुझे के०
एस० बैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास देने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3/52 है, जो पी० एस० नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-8-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच तेंग अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक का शायद्य में कमी करने या उसमें बदलने में मुश्किल लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धर्म या अन्य प्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से गुविन्हा के सिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख का अनुसरण ये, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपबारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवितर्तों वर्तमान :—

1. श्री डी० वैद्यानादन घर नं० 3-6-369/10/1 हिम्मत नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. एन० बी० नरसिंहाराजू बी-52-एफ-3 पोट्टी श्रीरामलू नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन न किए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तस्वीरियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्तों में में किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एवंस्थीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुश्य

प्लाट नं० 3 ब्लाक नं० 52 पोट्टी श्रीरामलूनगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1912/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद।

के० एस० बैकट रामन,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978

मोहर

प्रकल्प प्राइ. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

आर० ए० सी० 30/78-79—वतः मुझे क० एस० वेक्टर
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डक्टर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 और 6 है, जो सर्वे नं० 75 बहलूल-
कागूडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वाचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
अधीन, विवरित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) राजा युवराज करने
(2) अजय करने पिता प्रताप करने रहते हैं मालवाला
महल बारमीनार, हैदराबाद में (अन्तरक)

2. श्री क० जनारदन रेडी पुजीगिला रोड टेकुलासीमारम
नलरोनडी चील (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सर्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी हो पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही [अर्थ हीनग, जो इन प्रध्याय में
दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 4 और 6 वीस्टर्न 675 वर्ग याड़ सर्वे नं० 75
बहलूलकागूडा-हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2162/77 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

क० एस० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-4-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री. एन. एस.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के मध्येन सूचना

भारत मरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

मं. श्रार. ए. सी. 29/78-79—यतः मुझे, को.एस.०
वेक्ट रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के मध्येन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 12 और 13 है, जो सर्वे नं. 75
बहलूलखानगुड़ा मे स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची मे और
पूर्णलूप से बाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के मध्येन यगस्त 977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के अंत ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
तिवित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निम्नित मे वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ग हुए किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के मध्येन कर देन के अन्तरक के दायित्व
मे कमी छिन या उससे बचने मे नुक्तिया ने लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो,
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने ने भुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के प्रनुसरण
मे, मैं, उक्त अधिनियम, ने भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अस्तीन निम्नितिवालियों, अर्थात् :—

6-76GI/78

1. श्री धर्मेन्द्र करन पिता रामकरन। लाप्क., यूनियन बैंक आफ
इण्डिया हाईकार्ट ब्राच, पत्तरगाती हैदराबाद। (2) मोहन
करन पिता रामकरन मालवाला पलेस चारमीनार
हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री पी० रवीम्बदर रेडी मणीन टूल्स एंड स एण्ड रीकन्डि-
सनीग, टेक्नोकरेट, इंडस्ट्रीयल एस्टेट बाला नगर हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह मूर्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रान्ट के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रान्ट के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप: —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की
तामोस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट और जमीन नं. 12 और 13 सर्वे स. 75 मे वीस्टर्न
1159 वर्ग यार्ड बहलूलखानगुड़ा हैदराबाद मे रजिस्ट्री दस्तावेज़ 0
2161/77 उपरजिस्ट्रीकार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेक्ट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन्ट रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद दिनांक 15 अप्रैल 1978

आर० ए० सी० ए० 28/78-79—यतः मुझे, के० ए० स०
बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 5 और 7 है, जो सर्वे नं० 75 बैहलूल-खानगुड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण०४८ से वर्णित है०), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1977

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों पर्वत :—

1. (1) राजा शिव राज करन (2) श्री दीप कर। रहते हैं—मालवाला महल चारमीनार के पास हैदराबाद में। (अन्तरक)

2. श्री पी० राघव रेड्डी पिना बेनकट रेड्डी सात हीलम पलुड पावर-13 टेकनाशेटम इन्डस्ट्रीयल एस्टेट बालानगर हैदराबाद में (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5 और 7 सर्वे नं० 75 में वीस्टन 681 वर्ग यार्ड बैहलूलखानगुड़ा हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2160/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० ए० बैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सं० न० 26/78-79-- यतः मुझे, कें० एस०
रामत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट न० 11 है, जो सं० न० 25 बेलुखान-
गड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:-

(क) अन्तरण में ही नियो आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरण के
शायित्र में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें मालीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्ननिखित अस्तियों, असौतः:-

1. कुमारी आशा करन पिता मेजर इकबाल करन मालबाला
महल चारमीनार के पास हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती अउल्लाज्या पत्नी ग० सामबा सीधा रेडी 37-वी
मनजीव रेडी नगर हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 11 और 14 बीस्टन 1000 वर्ग यार्ड हैं सं० न० 77
75 बेलुखानगड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2158/77
उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

कें० एस० बेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978
मोहर

प्रैरूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की घारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी 27/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 10 और 15 है, जो सर्वे नं० 75 वेलूलखानगुड़ा मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टप्राप्तान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टप्राप्तान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टप्राप्तान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे व्रात्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई इसी प्राप्त को बाबा, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी भ्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय प्राप्त करने नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिरने मे सुविधा के लिए।

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मे, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अपक्रियों अर्थात् ।—

1. श्री रवीकरन पिता राजा महाराज करन मालवाला महल चारमीनार पूर्व हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती के० शालीनी पिता के० सत्यानारायण रेडी घर नं० 14ए/3 आर० टी० सनीव रेडी नगर हैदराबाद (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी अकिञ्चन द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10 और 15 विस्तृत 1150 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 75 वेलूलखानगुड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2159/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राप्तिकारी
सहायक प्राप्तकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंस टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1978

आर० ए० सी० न० 25/78-79—यतः मुझ के० एस० बैंकट
रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 और 16 है, जो सर्वे नं० 75 बहलूलकानगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, तैयार अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विवेत, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्जातः—

1. श्रीमती शशीकरन पत्नी येसके यातूर डिवीजनल मनेजर ए० पी० एस० आर टी० सी० तालक रोड हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री पी० जे० रेड्डी, मैसर्स मणीन टूलस एंड रीकनडीशनिंग, बालानगर, हैदराबाद-37। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राय और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही भर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9 और 16 जीसका खेतफल 1150 वर्ग यार्ड है, सर्वे नं० 75 बहलूलकानगुडा में हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2157/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० बैंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

ग्रंथन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1978

आर० ए० सी० नं० 24/78-79—यतः मुझे के० ए० ए० वैंकट
रामन,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-2-825/1 है, जो गडीमलकापूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अग्रस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्यकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपस्थारा (1)
के अद्वीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्दातः—

1. श्रीमती सालेमाबेगम जी० पी० ए० सैयदकाजा
मौहनीदीन घर नं० 11-6-650 रेड हिल्स हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्री महमदकाजा 23-1-808 मोगलपूरा, हैदराबाद

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 12-2-825/1 घडी मलकापुर हैदराबाद रजिस्ट्री
प्रस्तावेज नं० 2099/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरसाबाद में ।

के० ए० ए० वैंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1978
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) वे अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय
अमृतसर, दिनांक 11 अप्रैल 1978
निर्देश सं० तरनतारन/7/78-79—यतः मुझे, एस०
के० गोयल,
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक गोदाम है तथा जो जी० टी० रोड, तरनतारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित न तय किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कर्मो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविन्हा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों प्रयत्नि:—

1. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री खेरती लाल तरन तारन जिला—अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री हरदीप सिंह पुत्र श्री सन्तोष सिंह श्री दिलबाग सिंह पुत्र श्री गुरबक्स सिंह, माम ठठीआं महत्त्वां तरनतारन तहसील, जिला—अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ये से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम् अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

एक गोदाम नाम लगभग 14 1/2 मरला पर स्थित 2-3-77 एक वर्ग गज का एक तिहाई जैसा कि रजिस्ट्रीकूत बिलेख सं० 3178 अगस्त 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरन तारन जिला अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-3-1977
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आई० ए० सी० रामयुजिसन कार्यालय
कलकत्ता, दिनांक 30 मार्च 1978

निर्देश सं० एस०/445/टी० आर०/90/सी०-१००/कलकत्ता-१/
७७-८—यतः, मुझे, एस० सी० बालसुब्रमनियम,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पारचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी सं० 41 है, तथा जो यूरीपियन, असिलियम,
लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नरेण्ट प्रेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-८-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निष्ठा में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ब) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त प्रधिनियम को धारा 269 अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के प्रयोग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निताई चन्द्र दत्त 16/2, कुमेन्द्र बागान लेन,,
कलकत्ता (अन्तरक)

2. महम्मद धामेर अहमद 24, बलाई लेन, स्ट्रीट कलकत्ता
(अन्तरिती)

3. (1) श्री सिंह आर० दास
(2) मेसर्स टूल्स इंजीनियरिंग कं०
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मुहम्मद आरिफ न सोसायटी, 24, बलाई ह० स्ट्रीट
कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्णता समाप्ति के प्रति के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रान्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त मध्यवर्ती का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

41, यूरीपियन, असिलियम लेन, कलकत्ता में अवस्थित
(1975 साल का आई०-2362 नं० अनुसार सब रजिस्ट्रार
आफ एयसुरेन्स का० 4127 शीर्षाधिकृत साल/मकान में अन्तरक का
सब-साईट और इन्हाइटेस्ट' सो० 1977 साल का डीड नं० 1-3698
अनुसार शेषहार आफ एयसुरेन्स का० पाश रजिस्ट्रीकृत ।

एस० के० बालसुब्रमनियण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
तारीख : 30-३-१९७८
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट दी० एन० एस० —————

1. मेसर्स अशोका मार्किना लि०

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां(1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स इण्डिया स्टिमशिप को० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 23 अप्रैल 1978

निर्वेश सं० ए० सी०-२/ग्रार०/२/कलकत्ता/७८-७९— यह:
मुझे, आर० सी० लालमोया,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वां
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ९ है, तथा जो हेस्टिनस पार्क रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एन्डोरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त 1977 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथावूर्त्तोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5 ई० ए० एच० (5-एच०), 5 तथा, राजश्री बिल्डिंग
6 हेस्टिन्स पार्क रोड, कलकत्ता पी० एस० आलिपुर।

आर० सी० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

ग्रन्त: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, ग्रन्ति:—
7-769/78

तारीख : 23-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

1. मेसर्स अशोक मार्किटिंग लि० (मन्त्ररक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 अप्रैल 1978

निवेश सं० ए० सी०-२/आर०-२/कलकत्ता/78-79—
यतः मुझे, आर० वी० लालमालिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो हेस्टिंग्स पार्क, रोड कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
आफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करो करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें, मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं प्रतिरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किस जाता नाहिए था, किनाने में पुष्टि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स अशोक मार्किटिंग लि० (अन्तरक)
2. मेसर्स इण्डिया स्टिमशिप कं० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ९-एच० (९-एच०) ९ तला (९ फ्लोर)
राजश्री बिल्डिंग्स, ६ हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता, पी० एस०
ग्रालिपुर।

आर० वी० लालमालिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 13-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
साधारण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 13 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० सी०-३/प्रार०-२/कलकत्ता/७६-७७—यतः
मुझे, आर० वी० लालमोया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पाराकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो हैस्टिंगस पार्क रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्सेस, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अगस्त 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखते में वास्त-
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपस्थाना (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स अशोका मार्किटिंग लि० (अन्तरक)

2. मेसर्स इण्डिया शिमशिप का० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन्त के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन्त के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर भूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में
हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पात्र लिखित में किए जा रहेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3 ए० एच० (3-एच०), 3 तला (3 फ्लोर)
रजिस्ट्री बिल्डिंग, 6, हैस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता, वी०
एस० अलिपुर।

आर० वी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख 13-4-1978
मोहर :

प्रकल्प श्राइटी०एन०एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 13 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० सी०-४/आर०-२/कलकत्ता/७८-७९—
अतः मुझे, आर० वी० लालमाविया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं०— है, तथा जो भौजा गोपालपुर, पी० ए० सं०
महेश्वरला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सिस, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

1. (1) श्री शेख अकबर अली
(2) श्रीमती फतिमा खातून, और
(3) श्रीमती मरियम बीबी (खातून)
(अन्तरक)
2. (1) श्रीमती फतिमावाई हासानभाई मध्यवाला
(2) श्रीमती रबाववाई अकबरअली खातनागरउपाला, और
(3) श्रीमती जारिना बाई साराफाली रनगुनवाला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

दबावीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भौजा—गोपालपुर पी० ए० महेश्वरला जिला -24
परगना अन्तर्गत एक पुरातन मकान कम्पाउन्ड प्राचीर और
विवाचद हाउसिस है। जमीन का परिमाण 1 बीघा 11 कड़ा।

आर० वी० लालमाविया
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 13-4-1978

मोहर :

प्रकल्प प्राइंट टी॰ एम॰ एस॰—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता-16 दिनांक 3 मई 1978

निर्देश सं० ६० सी०-१/अर्जन-रेज-IV/कलकत्ता/७८-७९—

अतः मुझे, पी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी दाग सं० 42, 49, 50, 52 तथा 53 है तथा जो मौजा कुमड़ा खालि थाना—सोनारपुर जिला—24 परगना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवत में वास्तविक रूप से कारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सती रानी बमन तथा श्री सहवेद बेनर्जी
(अन्तरक)

2. मैसर्स गढ़िया इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मान्यता :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्यक्त कारण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 42, 49, 50, 52 तथा 53 मौजा—कुमड़ाखालि थाना—सोनारपुर जिला—24 परगना में स्थित है दो मंजिला मकान के सब कुछ।

पी० पी० सिंह
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 3-5-1978
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एस० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास 600006

मद्रास-600006 दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० 4405/ग्रगस्त/77—अतः मुझे के० पोन्नन
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० रो अधिक है।

और जिसकी सं० 27/53 ईस्ट लोकमान्य रोड, आर० एस० पुरम कोयम्बतूर म स्थित है (और इससे उपावड़ सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जें० एस० आर०-III कोयम्बटूर 'डाकुमेण्ट 1777/77' मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनयों अर्थात्:—

1. श्री के० के० विजयन (अन्तरक)

2. श्री जी० देवराज (अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविनयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविनयों मे से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्देश्याकारी के पास लिखित मे निए जा रहेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिमाणित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस ग्रहण मे दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर आर० एस० पुरम ईस्ट लोकमान्य रोड डोर सं० 27/53 मे 3287 1/2 स्क्युपर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन
सकम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास-600006

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० 4414/अगस्त/77—यतः मुझे के० पोष्टन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० वालपारे सबै सं० 12/1 ए०/ए०/ए०/ए०
है तथा जो (125 एकड़े) मै विश्वास करने का
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25 अगस्त 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पैक्ष्य प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, गिम्नलिकित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

1. तमिलनाडु ट्रेडिंग कम्पनी (अन्तरक)

2. श्री सोशियल इस्टटेस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तैसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है
वही प्रत्येक होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में मुविधा के लिए;

आनमलै हिल्स गांव वालपारे सबै सं० 12/1 ए०/ए०/
ए० म 125 एकड़े ।

के० पोष्टन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास-600006

तारीख : 1-5-1978

मोदर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जत् :—

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्त)

अर्जन रेज-II मद्रास 600006

मद्रास-600006 दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० 5778/अगस्त/77—यतः मूँझे के० पोष्टन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इण्ठ से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो कलाशेतरा कालोनी तिरुवान्नमूर मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जें० एस० आर०-III सैठेंठ 'डाकुमेण्ट 552/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रभारक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितियों, यथावृः—

1. श्री वेकटसुश्मनियम

(अन्तरक)

2. श्री एस० सुन्दरेसन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधितियों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा प्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 41 तिरुवान्नमूर कला शैंस कालोनी प्लाट सं० 24 में 1.67 ग्राउण्ड (मकान के साथ)।

के० पोष्टन
सक्षम प्राधिका॒री
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्त),
अर्जन रेज-II मद्रास 600006

तारीख : 1-5-1978
मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा

भट्टा दिनांक 21 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० 172/गुरदासपुर/78-79:—यत्
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा हुआ है तथा
जो घंगा खुर्द में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गुरु हरसहाय रजिस्ट्री अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रयुक्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

—76 GI/78

1. श्री जयपाल सिंह सुखपाल सिंह जिंदर पाल सिंह
पुत्रान बलवत् सिंह पुत्र करतार सिंह गांव चक सुहेला वाल
महसील फिरोजपुर (अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र सिंह पुत्र जगीर सिंह पुत्र हाकम सिंह गांव
घंगा खुर्द (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 मे है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
मे सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे
हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घंगा खुर्द गाव मे 137 कनाल 17 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 855 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुरु
हरसहाय से लिखा है।

पी० एन० मलिक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज भट्टा

तारीख : 21-3-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश स० ए० पी० 173/नकोदर/78-79—यतः मुद्रो,
पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलबांडी
भारो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिक्ती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी प्रत या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम पा
ष्ठन-कर अधिनियम, 1957 (1957 नं 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जान्हे था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीकृत :—

1. श्री बलबन्त सिंह, अवतार सिंह पुत्रान लछमन सिंह-
पुत्र गंगा सिंह वासी तलबांडी भारो तहसील नकोदर
(अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह, जगदेव सिंह पुत्रान नाजर सिंह
पुत्र हरनाम सिंह वासी गांव रसूलपुर कलां तहसील नकोदर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा संगें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तलबांडी भारो गांव में 39 कलाल 18 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 1872 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नकोदर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज, भटिंडा

तारीख : 17-4-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० 174/फरीदकोट/78-79—यतः

मुझे, पी० ए० एन० मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने वाला नारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बरगाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख मितम्बर 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास हरने का नारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्र गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण ने ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय पर किसी अन्य आमित्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रथा, १३ प्रधिनियम, का धारा 269-घ वे अनुसरण पै, और उक्त प्रधिनियम की आयकर 269-घ की उपाधा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री कुलदीप सिंह पुत्र हरी सिंह पुत्र गजन सिंह गांव बरगाड़ी (अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, सोहन सिंह, मोहन सिंह पुत्रान गजन सिंह गांव बरगाड़ी (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्यवाहियों मुख्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के यथा परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बरगाड़ी गांव में 52 कमाल 7 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2118 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 17-4-1978

मोहर :

प्ररूप ग्राइंड डी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिला कार्यालय

भट्टिला, दिनांक 27 मार्च 1978

निवेश स० ए० पी० 175/नवां शहर/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा वह
जंडियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए या, किसाने में सुविधा के लिये;

यतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम, को धारा 269ध की उपाधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अवृत्ति:—

1. श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र मलकियत सिंह गांव जंडियाला
तहसील नवां शहर

(प्रन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र हुकम हिंह गांव कलारा तहसील
नहां शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह यक्षित, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना नारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तदसंबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जंडियाला गांव में 38 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं०
2824 अक्टूबर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भट्टिला

तारीख 27-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 27 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 176/फरीदकोट/78-79—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मैहमुआना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत सक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा
के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती हरकौर विधवा शेर सिंह पुत्र सरना सिंह
सिंह और मुनो और अको उर्फ सुरजीत कौर पुत्रियों शेर सिंह
पुत्र सरना सिंह गांव मैहमुआना जिला फरीदकोटमुख्यार
ओम सुखदेव सिंह पुत्र फुमन सिंह वासी पाली

(अन्तरक)

2. श्री अजायब सिंह और नायब सिंह बेबे शेर सिंह पुत्र
सरना सिंह वासी मैहमुआना

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ((वह व्यक्ति जिसके अभिभोग
में सम्पत्ति है))

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मैहमुसूची

मैहमुआना गांव में 60 कनाल 9 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 2219 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1978

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1364 (635)/1-1/
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परिव्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 313/ए०/3/2 एफ० पी० नं० 99, सब प्लाट नं० 2, टी० पी० एस०-14 है, तथा जो शाहीबाग, खोली कमीशनर्स रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्दालिय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1008 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्जतः—

1. श्री नटवर लाल मणी लाल शाह, समतेश्वर सोसायटी, परीमल सोसायटी, एलिसब्रिज, अहमदाबाद
(अन्तरक)

1. (1) श्री विरेन्द्र प्रमुखलाल,
(2) श्री शारदोबन चिमनलाल,
(3) श्री जसोदाबेन शांतिलाल,
अभापाके, शाहीबाग, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 606.18 वर्ग मीटर है तथा जिसका सर्वे नं० 313/ए०/3/2, एफ० पी० नं० 99, सब प्लाट नं० 2, प्रोपोज्ड टी० पी० एस० नं० 14, दरीयापुर काजीपुर, शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है।

एस० पी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदा

तारीख : 3-3-1978
मोहर :

प्रधन प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 3 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य०/23-I-1394 (643)/1-1/
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 66, 67 टी० पी० एस० -29, फायनल प्लाट नं० 31 है, तथा जो वाड़ज अहमदाबाद में स्थित है, (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. इन्द्रजीत को० ओ० हाऊसिंग सोसायटी लि० की ओर से:—

- (i) प्रमुख :—श्री चंद्रलाल मणीलाल,
- (ii) सेक्रेटरी :—कांतीलाल मथूरदास,
इन्द्रजीत सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरक)

- 2. (i) श्री गिरीशकुमार प्रताप भाई डेसाई,
- (ii) श्री दुश्यंतकुमार परतापभाई डेसाई, विजय कालोनी, सरदार पटेल केलोनी के पास, नारणपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 615 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 66, 67 पैकी है, टी० पी० एस० नं० 29, एफ० पी० नं० 31, असल प्लाट नं० 44-45, वाड़ज अहमदाबाद जिसका पूरण वरण नं० 20-9-77 वाले बिक्री वस्तावेज नं० 6143 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 3-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० गस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्वेश सं० पी० आर० 575/ए० सी० क्य० 3-1046/
19-7/77-78—यतः मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० बांड नं० 12 नोंध नं० 1722 है, तथा जो जबर मोहल्ले, शाहपुर, सूरत में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिन की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः:—

1. (1) अलामाय बहरामशा दासवाला 4055, स्टेशन रोड, सिकन्दराबाद
- (2) मिनोचर बेहरामशा दासवाला, सिकन्दराबाद,
- (3) नेमस बेहरामशा दासवाला, 61 इशाक कालोनी सिकन्दराबाद,

(4) नारीमन बेहरामशा दासवाला, न्यू जेरजी, यू० एस० ए०,

(5) नानाभाई बेहरामशा दासवाला, न्यूयार्क, यू० एस० ए०,

(6) मानेकश बेहरामशा दासवाला, वेस्ट न्यू, सायाब, बम्बई, सैयद पुरा, सूरत सभी के कुल मुख्तार :—

(i) दीनभाई खरशेदजी दासवाला, बीबी जी बाड़ी,

(ii) परवेज अरदेसर दासवाला, 12/1131, मछलीपीठ, शाहपुरा, सूरत,

() दीनबाई खरशेदजी दासवाला, बीबी जी बाड़ी, सैयदपुरा सूरत (अन्तरक)

2. (1) अहमद इशाकजी रावत जीवाली, ता० अंकलेश्वर, जिला भरुच,

(2) फातमा इशाकजी रावत जीवाली ता०, अंकलेश्वर, जिला भरुच,

दोनों के कुल मुख्तार :—

इस्माइल मोहम्मद बाड़ीवाला,

जीवाली, ता० अंकलेश्वर, जिला भरुच (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो बांड नं० 12 नोंध नं० 1722 जबर मोहल्ला, शाहपुर, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 132 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1873 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० पी० आर० 576/ए० सी० क्य० 23-1047/
19-7/77-78—यतः मुझे, डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बाड़ नं० 1/369 है, तथा जो नानपुरा, भाया
मोहलो, सूरत में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पक्कह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य ग्रासियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयात् :—

9-76GI/78

1. श्री बर्जोरजी केखसार कवीना पारसी बाड़, श्रीक-
लेश्वर, जिला भरुच (अन्तरक)
2. श्री रमन लाल मगनलाल नानपुरा, धोबी शेरी, सूरत,
(हाल : भाया मोहलो, नानपुरा, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो बाड़ नं० 1/369, भाया मोहलो,
नानपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 162 वर्ग गज
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के सितम्बर 1977
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1783 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निवेश सं० पी० आर० 577/ए० सी० क्य० 23-1048/
19-7/77-78—यतः मुझे, डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बार्ड नं० 1/448 है, तथा जो नानपुरा, मेन
रोड, दर्जी मोहल्ला के पास, सूरत में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय धार्य कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के ग्रन्तकरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री नंदलाल मनसुखलाल मेम्बर नटराज एपार्टमेन्ट
भगतलाल, सूरत

(अन्तरक)

(1) श्री नटवरलाल मोतीलाल शाह

(2) कंचनबेन नटवरलाल शाह हरी पुरा, मेन रोड,
सूरत
(हाल :—नानपुरा, मेन रोड, दर्जी मोहल्ला,
के पास, सूरत)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो धार्ड नं० 1/448 नानपुरा, मेन रोड,
दर्जी मोहल्ला के पास, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप
76.8 वर्ग गज है जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1745 में
प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-4-1978

मोहर :

प्रकल्प भाई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1978

निर्देश सं० पी० आर० 578/ए० सी० क्य० 23-993/
6-1/77-78—यतः मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख
के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 474 और 478/1 और 937
कुल माप 2 एकर 9 गुणा है, तथा जो रानोली, ता० बड़ीदा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, सिम्लिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
पाया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 च की उपभारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अर्थात् :—

1. (i) श्रीमती चन्द्रकान्ताबेन, कान्ती भाई लालाजीभाई
कारिया की विधवा,
खाड़िया पोल नं० 2, बड़ीदा,
(ii) पटेल मनुभाई उमेदभाई खंभोलाज, ता०
आनंद,
(iii) पटेल जसभाई शहयाभाई चिखोदरा, ता०
आनंद

(अन्तरक)

2. शाह मनीलाल चुनीलाल रानोली, ता० बड़ीदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्षित द्वारा, सम्बोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलेक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में विद्या गया
है।

अमृतसौष्ठुदी

अचल सम्पत्ति जो जमीन व मकान है जो सर्वे नं० 474
और 475/1 और 951 रानोली, ता० बड़ीदा में स्थित है
जिसका कुल माप 2 एकर 9 गुणा है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी बड़ीदा के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत लिखत
नं० 2485 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

प्रहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1—1395(655)/1-

77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीब,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 390/1, टी० पी० एस०-10, है, तथा जो रखीयाल अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भावें की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामग्री को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवात् :—

1. श्री अमरारचन्द्र श्रीकमचन्द्र तथा अन्य के० एस० द्रस्ट बिल्डिंग, खेड़ी बाजार, अहमदाबाद

(अन्तरद)

2. (i) श्री मीठालाल लोगालाल हुड़ीया, ई-1, हिल पारक सोसायटी, काकरीया, अहमदाबाद

(ii) श्री सतीषचंद्र सम्पतराए शाह, हिमालय पारक, आश्रम रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अवैतन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षे फल 890-20 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 390/1, है तथा जो रखीयाल, टी० पी० एस० 10, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वर्णन सप्टेम्बर '77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 5286/99में दिया गया है।

एस० सी० पारीख
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-4-1978

मोहर :

प्रह्लप भाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-ग्राइ०-1391(654)
1-1/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीब,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 229, पैकी, सब प्लाट नं० 9 टी०
पी० एस०-27 है, तथा जो बगा फिरदोस अमराइवाड़ी, अहमदा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण
विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाधा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवितर्याँ, अर्पातः:—

1. श्री रेवा भाई अरजनभाई पटेल, 1, रेखा पारक,
विजयनगर-रोड, नाराणपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदाबेन बाबूलाल डेसाई, 1, रेखा पारक,
विजयनगर रोड, नाराणपुरा, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधायाय के दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 906-89 वर्ग भौटर जमीन पर
स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 229, पैकी सब प्लाट नं० 9, बगा
फिरदोस, अमराइवाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका
पूर्ण वर्णन सितम्बर 1977 वाले बिक्री वस्तावेज में दिया गया
है।

एस० सी० परीब
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 24-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1978

निर्देश सं० पी० आर० 656/ए० सी० कृ० 23-I/1361/
(656)/1-1/77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 189/ए०/2 एफ० पी० नं० 232
पैकी सब प्लाट 4/ए० है, तथा जो शाहीबाग, अहमदाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 3 सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जिसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसर
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. (i) श्री जाहिर जेहांगीर वकील,
(ii) श्री नीलोफर जेहांगीर मोदी बोनेले, बारोदा,
पुना-1

(अन्तरक)

2. श्रीमती रानी सती सेवा समिति :

मारफत :—ट्रस्टीज़ : कृष्ण अग्रवाल तथा अन्य, बास्बे
क्लास ऑफिट, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

ममुम्बाची

जमीन और मकान जो दरियापुर सर्वे नं० 189/ए०/2
फाइल नं० 232 पैकी सब-प्लाट नं० 4/ए० टी० पी०
एस०-14 राज भवन रोड, शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद द्वारा 3-9-1977
को किए गए रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 5810 में प्रदर्शित
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 26-4-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I,

नई दिल्ली-1, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० /एक्य०/१ एस० आर०-III
112/अगस्त-II/77-78—यतः मुझे, जे० एस० गिल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० आर०-253 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 17 अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रत्यक्ष (अम्मरणों) और प्रत्यक्षी (अम्मरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री लाल चन्द डिनारा, पुत्र श्री संत राम डिनारा,
निवासी आर०-253, ग्रेटर कैलाश- नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती गुरमीत कीर, पत्नी श्री सकिन्द्र पाल
सिंह ,

(2) श्रीमती गुनीता गुलाटी, पत्नी श्री स्वर्ण पाल
सिंह, निवासी 3329, गली डोर बाली, मोरी
गेट, दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्थावोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक डब्ल टोरी बिल्डिंग जोकि 208 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 253 है, ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड़

उत्तर : मकान नं० आर०-251

दक्षिण : मकान नं० आर०-255

जोगिन्द्र सिंह गिल
सम्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 5-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीकण)
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1, कार्यालय

तई दिल्ली-1, दिनांक 5 मई 1978

निर्वेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१/एस० आर०-३/
 104/प्रगस्त-१(7)/७७-७८—यतः मुझे, जे० एस० गिल,
 भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
 से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 231 है, तथा जो भाटी गांव,
 तहसील महरीली, दिल्ली, में स्थित है (और इससे
 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप है वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, तई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 6-८-१९७७
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा नया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिये था, लिपाने में सुविधा के लिए,

अनुसूची

फार्म का हिस्सा जिसका खसरा नं० 231 है, और खेत्रफल
 4 बीघा तथा 16 विस्ता है, भाटी गांव, तहसील महरीली,
 दिल्ली में है :

जे० एस० गिल
 सक्षम अधिकारी
 सहायक भायकर आयुक्त (निरीकण)
 अर्जन रेंज-11, दिल्ली, तई दिल्ली-1
 तारीख : 5-५-१९७८
 मोहर :

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
 मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपकारा (1) के
 अधीन विभागित व्यक्तियों, प्रवत् :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी० /59/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वं के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० 139 सैकटर 8-ए० है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रकृत्वर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और प्रकृत्वर (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की घारा 269वं की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावत्।—

10—76GI/78

(1) श्रीमती आदर्श प्रितपाल पत्नी श्री प्रितपाल सिंह मार्फत श्री रघबीर सिंह, 667, सैकटर 11 बी० चंडीगढ़। (प्रन्तरक)

(2) (i) श्री गुरमुख सिंह पुल श्री सरमुख सिंह (ii) श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरमुख सिंह (iii) सर्वश्री गुरिन्द्र सिंह तथा बारिन्द्र सिंह पुत्राण श्री गुरमुख सिंह, निवासी मालवा हाऊस मोगा (पंजाब) (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जिसमें अनैकसी बिलिंग तथा गैरेज है और जो कि एक मंजिल मकान नं० 139 सैकटर 8-ए० चंडीगढ़ में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 686 तिथि 1-10-1977 पर दर्ज है)।

रघबीर कुमार पठानिया
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 27-4-1978

सोहर:

कर्मचारी चयन आयोग
विज्ञप्ति
ग्रेड ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक
परीक्षा, 1978
नई दिल्ली, दिनांक 20 मई, 1978

सं० 13/2/78—प्रबंध-केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग, भारतीय विदेश सेवा (ख) के गव काडर के आशुलिपिकों की श्रेणी II, सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड ग और रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी ग की प्रवर दूचियों में बृद्धि करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 14 सितम्बर, 1978 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा का आयोजन गृह मंत्रालय में कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के 20-5-78 के भारतीय राजपत्र में प्रकाशित नियमों के अनुसार होगा।

आयोग श्रप्ते निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जायेगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. इस परीक्षा के आधार पर ऊपर दी गई सेवाओं में नियुक्तियों के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है :—

| | |
|--|------|
| (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग | 25** |
| (ii) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सब काडर के आशुलिपिक ग्रेड II | 7** |
| (iii) सशस्त्र सेना मुद्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग | * |
| (iv) रेलवे बोर्ड मञ्चिवालय लिपिक सेवा श्रेणी 'ग' | 4** |

**उपरोक्त संख्याओं में परिवर्तन हो सकता है।

*बाद में निश्चित की जायेगी।

इन रिक्तियों के संबंध में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित आरक्षण किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खण्ड-I, पोस्ट बैग नं० 2, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 12-6-1978 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपये के मूल्य का पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हों और 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 12-6-1978 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम "ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय

प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978" स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ, उम्मीदवार को मोटे अक्षरों में श्रप्ते नाम तथा पते की तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए। एक रुपये का पोस्टल आर्डर और उपर्युक्त तीन पर्चियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिये जायेंगे। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर तथा चैक या कर्मसी नोट स्वीकार नहीं किए जायेंगे। एक रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए श्रथवा एक स्पष्ट राशि, भारतीय उच्च आयुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायें और उक्त राशि को लेखा शीर्ष, "051-लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियां—आवेदन प्रपत्रों की बिक्री" (वेतन और लेखा श्रधिकारी, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा करने को कहें तथा उस कार्यालय से टी० आर० 5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त कर लें तथा उसे आयोग को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार को नाम तथा पते को मोटे अक्षरों में तीन पर्चियां भी भेजनी चाहिए।

टिप्पणी :—आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 12-6-78 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीपी में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएँ 26-6-78 तक भी स्वीकार कर सी जायेगी।

4. भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खण्ड-I पोस्ट बैग नं० 2, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पास 12-6-78 को या उसके पूर्व अनुबंध भी दी गई हिंदायतों के अनुसार अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेश में रहने वाले तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीपी में 12-6-78 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 26-6-78 तक भी ले लिए जाएंगे।

टिप्पणी 1 :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें श्रप्ते आवेदन ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही प्रस्तुत करने चाहिए। ग्रेड-ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर प्रस्तुत किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। "केवल शासकीय प्रयोग के लिए"

चिक्षित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टिप्पणी 2:— आवेदन-पत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार को ही होगी।

टिप्पणी 3:—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर देवें, उन्हें उस लिपिक से जो आवेदन-पत्र प्राप्त करेगा, उसी समय पावती पत्र ले लेना चाहिए।

5. (i) निर्धारित शुल्क नीचे के उप-पैरा (iii) में आने वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन पत्र के साथ आयोग को निम्नलिखित फीस देनी होगी:—

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों की श्रवस्था में)।

(ii) पैरा 5(i) में दी गई फीस का भुगतान रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा होना चाहिए जो कर्मचारी चयन आयोग को देय हों। यह भुगतान स्टेट बैंक आफ ईडिया की नई दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट स्थित शाखा द्वारा देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा भी किया जा सकता है। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए:—

केवल प्राप्तकर्ता द्वारा

पोस्टल आर्डर
कर्मचारी चयन आयोग
नई दिल्ली को सरोजनी नगर
झाकधर, नई दिल्ली-110023
पर देय।

आयोग फीस का भुगतान मनीआर्डर, चैक या करेंसी नोटों द्वारा स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) आयोग स्वैच्छा से निर्धारित फीस से मुक्त कर सकता है जबकि उसे इस बात की सन्तुष्टि हो जाए कि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है।

(iv) उम्मीदवार को जात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा कर्मचारी चयन आयोग, सरोजनी नगर झाकधर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के स्तम्भ-II में पोस्टल आर्डर के पूरे ब्यांरे भर देने चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित फीस का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट नहीं होगा उसे गरस्सी तौर पर देखकर

ही स्वीकृत कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या इसके बाद (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 तक तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और फीस न दे सकने की स्थिति में होने के कारण उपर पैरा 5 (iii) के अनुसार निर्धारित फीस से छूट चाहते हैं।

6. आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से सम्बद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जायेगा और न ही शुल्क को किसी उच्च परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। फीस वापिस तभी की जायेगी जबकि परीक्षा निरस्त हो जाएगी।

यदि उम्मीदवार को, उसका आवेदन पत्र देर से पहुंचने के कारण, आयोग द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट न किया गया, तो उम्मीदवार का आवेदन-पत्र उसके पोस्टल आर्डरों सहित उसे वापिस भेज दिया जाएगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में पत्र व्यवहार परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खंड-1, पोस्ट बैग-2, रामाकृष्ण-पुरम, नई दिल्ली-110022, को सम्बोधित करने चाहिए तथा निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:—

- (i) परीक्षा का नाम,
- (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष,
- (iii) रोल नं. या जन्म तिथि (यदि उम्मीदवार को रोल नं. न भेजा गया हो),
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में), तथा
- (v) आवेदन पत्र में दिया गया डाक पता।

इन विवरणों से रहित पत्राचार पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में कर्मचारी चयन आयोग के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार सदैव “श्रेणी-ग्राम्यालिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978” शब्दों का अवश्य प्रयोग करें।

विशेष भट्टाचार्य
परीक्षा नियंत्रक
कर्मचारी चयन आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. विशेषित के पैरा 3 के अनुसार इस परीक्षा से सम्बद्ध विशेषित, नियमावली, आवेदन पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार की विज्ञप्ति के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक की, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहाँ वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी विकल्प केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। आयोग अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में से किसी भी एक में अथवा किसी अन्य मिशन में उसे अपने खर्च पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार विवेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता है और नियमों के परिणाम के पैरा 3 के अनुसार (ii) निबंध और (iii) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र और आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देना चाहता है, उसे अपने खर्च पर ही किसी ऐसे अन्य मिशन में उपस्थित होने के लिए कहा जा सकता है जहाँ पर ऐसी परीक्षा आयोजन के प्रबन्ध प्राप्त हों।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और अपने नाम तथा पते को 6 पर्यायों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर पढ़ों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिमी खड़-1, पोस्ट बैग नं 2, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए। ताकि वह विज्ञप्ति में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

टिप्पणी :—परीक्षा नियमावली के परिणाम के पैरा 3 के अनुसार निबंध और सामान्य ज्ञान तथा आशुलिपि की परीक्षा में हिन्दी में देने के इच्छुक उम्मीदवार अपना विकल्प आवेदन पत्र के स्तम्भ 6 में स्पष्ट रूप से लिखें। एक बार का विकल्प अन्तिम समझा जाएगा और उक्त स्तम्भ में परिवर्तन करने का कोई अनुरोध नहीं किया जाएगा। यदि उक्त स्तम्भ में कोई प्रविष्टि नहीं की गई तो उसका अर्थ यह समझा जाएगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि की परीक्षा अप्रेजी में देंगे।

विज्ञप्ति में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवार से यह आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह विज्ञप्ति के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख से पहले से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीप में रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भरकर इस आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा और न दें और न किसी तथ्य को छिपाएं।

4. (1) उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को सरोजिनी नगर डाकघर नई दिल्ली पर देय हों अथवा नई दिल्ली में स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट स्थित शाखा द्वारा देय बैंक ड्राफ्ट।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह काम कर रहा है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1974 से आगे के उसके सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज (लगभग 5 सें. मी. ० \times ७ सें. मी. ०) की दो समान-प्रतियां।

(iv) नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत बांछित प्रलेख (जहाँ उप-युक्त हों)।

(2) ऊपर की मर्दों (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का और नियुक्त है उपलिखित है :—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएँ :—“कर्मचारी चयन आयोग को सरोजिनी नगर डाकघर नई दिल्ली पर देय हों।”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्पित या कटे पते या कालतिरोहित पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सब बैंक ड्राफ्ट कर्मचारी चयन आयोग के नाम में होने चाहिए तथा नई दिल्ली में स्टेट बैंक आफ इंडिया की पार्लियामेंट स्ट्रीट शाखा द्वारा देय हों।

टिप्पणी :—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विवेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (12.00 रुपये के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3.00 रुपये के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त राजदूत या प्रतिनिधि या उस देश में जो भी हों—के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाएँ कि वे इस राशि को लेखा थीर्प “051-लोक सेवा आयोग—कर्मचारी चयन आयोग—अन्य प्राप्तियां-परीक्षा शुल्क”

(वेतन और लेखा अधिकारी, कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, नई दिल्ली द्वारा समायोज्य) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ उम्मीदवार नियुक्त हैं उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की अवस्था में पति का नाम) नागरिकता, अनुमूलिकता/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, ईसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा श्रंक दोनों में) गैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रथम द्वारा 1-1-1975 से आगे के सेवा विवरण को प्रमाणित प्रतिलिपि में वेतनमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हुआ हो।

टिप्पणी :— आवश्यक होने पर सेवा पंजिका अथवा अन्य प्रमाणित प्रलेख मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतिया-उम्मीदवार को अपने आधुनिक फोटो की पासपोर्ट साइज़ (लगभग 5 सें. मी. 0 × 7 सें. मी. 0) की दो समान प्रतिया जिनमें से एक आवेदन-पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

(iv) शुल्क की छूट और आयु छूट के दावे के पक्ष में नीचे के पैरा 6 के अन्तर्गत वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि (जहाँ उपर्युक्त हो) आवेदन-पत्र के साथ अवश्य ही प्रस्तुत करनी चाहिए, अथवा फीम माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र प्रधूरा या गवत भरा हुआ होगा या उसके साथ ऊपर पैरा 4 के अन्तर्गत कागजात आदि में से कोई एक भी साथ न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। और इस अस्वीकृति के विश्वेष कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों और उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दे दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद पीछे ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने को अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस आयोग के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए प्रत्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनको किसी भी प्रविष्टि में वे कभी भी कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर बदल करें, और न हो फेर बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी ग्रन्ति हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि

में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में अलग स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 4(g) (ii) या 4(g) (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी सत्यापित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है:—

- (1) दण्डकारण्य प्रयोजन के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;
- (2) जहाँ उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मजिस्ट्रेट;
- (3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट;
- (4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर; तथा
- (5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त/कलकत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(i) श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो विज्ञप्ति के पैरा 5(i) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 4(g) (iv) या 4(g) (v) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छक है वह श्री लंका में भारतीय हाई कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र को एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाये गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत श्री लंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस से छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(ii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो विज्ञप्ति के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस की छूट और/अथवा नियमों के पैरा 4(g) (vii) या 4(g) (viii) के अन्तर्गत आयु

छूट चाहता है वह रंगून में भारतीय द्वंतावास से मूल परिचय प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहाँ वह रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित है और 1 जून, 1963 को अथवा उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस की छूट चाहता है तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिला अधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस देने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iv) कीनिया, उगान्डा, संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार), जाम्बिया, मलावी जायरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 4 (ग) (vi) के अधीन आयु में छूट का दावा करे वह जहा रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(v) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 4(ग) (ix) या 4(ग) (x) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशालीन पुनर्वास प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण-पत्र को एक प्रमाणित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करें जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मुक्त कर दिया गया है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत विए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि श्री

यूनिट

रैक नं०

विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र* में सैनिक सेवा करते हुए फीजो कारेवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे मुक्त किया गया।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

दिनांक

*जो लागू न हों उसे काट दें।

(vi) नियम 4(ग) (xi) अथवा 4(ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में रियायत चाहते वाले ऐसे उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ

हैं, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र को एक सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए, 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यन्निट के रैक नं०

श्री

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुए, और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप नियुक्त हुए।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

तरीख

7. उम्मीदवारों को उबत पैरा 6 में उल्लिखित इन्हें प्रमाण-पत्रों की प्रतियां किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी द्वारा सत्यापित अथवा स्वयं द्वारा प्रमाणित कर के, अपने अपने आवेदन-पत्रों के साथ भेजनी हैं।

8. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्रों को आयोग में प्रस्तुत करने से पूर्व निम्नलिखित क्रमानुसार अवस्थित कर ले:—

(i) पोस्टल आर्डर/बैंक ब्राफ्ट ;

(ii) फोटो की एक अतिरिक्त प्रति (फोटो ग्राफ की दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिप-कानी है) ;

(iii) विधिवत भरा हुआ आवेदन-पत्र ;

(iv) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में नियुक्त हो, उसके प्रधान द्वारा अपनी सेवा-पंजिका के प्रथम पृष्ठ को अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति ;

(v) आवेदन करते समय जिस विभाग अथवा कार्यालय में काम कर रहे हो, उसके प्रधान द्वारा दिनांक 1-1-1978 को समाप्त हुए तीन वर्षों के दौरान उसको सेवा-विवरणों को अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति ;

(vi) यह दिखाते हुए कि उम्मीदवार बर्मा, श्री लंका, बंगला देश डिप्यादि से प्रत्यावर्तित हैं—प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति ;

(vii) यदि उम्मीदवार चाहे कि उसके सम्बन्ध में निर्धारित शुल्क ग्राफ कर दिया जाए तो यह दिखाते हुए कि उम्मीदवार फीस देसकने की स्थिति में नहीं है—प्रमाण-पत्र; और

(ix) कोई ग्रन्थ प्रमाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चहता हो।

9. आवेदन-पत्र देर रो प्रतुत करने का यह तत्त्वाना स्वीकृत नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म हो ग्रम्यक तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश के योग्य नहीं बन जाता।

10. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन आक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र जमा करवाने को अन्तिम तिथि से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र को पावती पत्र न मिले उसे तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रविष्ट किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाग्रीष्ट दें दी जाएगी। परन्तु यह बताना संभव नहीं हि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार जो पर्याप्त आरम्भ होने के तारीख से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में कर्मचारी चयन आयोग से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए और आयोग से सम्पर्क करना चाहिए। इस उपबंध के अनुपातन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे रो वंचित रह जाएगा।

12. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कर्मचारी चयन आयोग से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

13. सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) /अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा

गत वर्षों में ली गई श्रेणी ग्राम्यलिपि सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बन्ध पुस्तिकालीन की प्रतियों की विक्री प्रकाशन नियंत्रण, सिविल लाइसेन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जानी है और उन्हें वहाँ से केवल मैल आर्डर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हे (1) किताब महल, स्टेट एपोजिया विलिंग, वादा छव्वें सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (2) प्रकाशन शास्त्र का विक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011, और (3) गवर्नरमेट आफ इंडिया बुक शिपो, 8, केंद्र सी० राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकालीन विभिन्न मुफ्सिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

14. पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इस बात की अवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते को भेज दिए जाया करें। पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर ग्राम्योग को सूचना मंत्र अक्षरों में रोल नंबर सहित ये प्रतिश्वेष्य पते के साथ विश्वस्ति के पैरा 7 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाग्रीष्ट दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तन पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th April 1978

No. A.12019/1/78-Admn.II.—In supersession of the U.P.S.C. Notification of even number dated 18th March, 1978, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Khanduri, a permanent personal Assistant (Grade C of C.S.S.S.) and officiating Senior Personal Assistant (Grade B of C.S.S.S.) to the post of Special Assistant to Chairman in the office of Union Public Service Commission on an *ad hoc* basis for the period from 1-8-1978 to 31-8-1978, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. L. Khanduri will be on deputation to the *ex cadre* post of Special Assistant to Chairman, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secretary,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd April 1978

No. D7RCT/47.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. N. Muhuri, I.A.S. Deputy Secretary (Training), Central Vigilance Commission, as Commissioner for Departmental Inquiries in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 17th April, 1978, until further orders.

SHRI NIVAS, Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 2nd May 1978

No. 0-II-1325/76-Estt.—The President is pleased to allow Shri Kanwar Singh, Dy. S. P. in the CRPF, to retire voluntarily from service under the scheme of voluntary retirement for Central Government employees contained in the MHA (DP&AR) O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-77.

2. Shri Kanwar Singh relinquished charge of the post of Dy. S. P. 29th Bn., CRPF on 12-4-78 (A.N.),

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm).

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461001, the 19th April 1978

P. F. No. PD/2/765.—Shri S. P. Chatterjee, Foreman (Production) is promoted on an *ad hoc* basis to officiate as Assistant Works Manager in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200-Vice Shri R. R. Rao, Asstt. Works Manager proceeding on leave for 43 days from 10-4-78 to 22-5-78

S. R. PATHAK,
General Manager.

INDIAN AUDIT ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL
REVENUES

New Delhi, the 3rd May 1978

No. Admn.I/5-5/Promotion/77-79/0-0-56/192.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri S. A. H. Zaidi, a permanent Accounts Officer of this office, will retire from Government service on 30-4-1978 (A.N.).

His date of birth is 14-4-1920.

No. Admn.I/0.0.57/PF|SP Goel|207.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri S. P. Goel, a temporary Assistant Accountant General of this office, while looking

after the charge of Deputy Accountant General (Inspection D.D.A.), retired from Government service with effect from the 30th April, 1978 (afternoon).

His date of birth is 20-4-1920.

K. H. CHHAYA,
Sr. Dy. Accountant General (Adm).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 25th April 1978

No. E.B.I/8-312/78-79/483.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Dharmaraja Iyer a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 12-4-1978 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.I/8-312/78-79/484.—Shri N. Hanumantha Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-II expired on 7-4-1978.

S. R. MUKHERJEE,
Sr. Deputy Accountant General (Adm)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
RAJASTHAN

Jaipur, the 24th April 1978

No. Admn.II/G-G-Notification/64.—The Accountant General, Rajasthan, Jaipur is pleased to appoint Shri Bishambur Dayal Mittal, Section Officer of this office as officiating Accounts Officer until further orders with effect from 17-4-78 (FN).

Sd. ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General/Adm.

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

POSTS AND TELEGRAPHS

New Delhi-110054, the 29th April 1978

O.O. No. Admn.V/26/23(A)(2) Notification.—Shri T. S. Ramachandran, an officiating Audit Officer in the P&T Branch Audit Office, Madras has retired from service with effect from 31-3-1978 (A.N.) on superannuation.

L. C. PATNI,
Dy. Chief Auditor.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 22nd April 1978

No. A.6/247(34).—Shri Ghansham N. Gidwani a permanent Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of the Indian Inspection Service, Engg. Branch (Group A) and officiating Director of Inspection, Grade I of Indian Inspection Service Group 'A' in Madras Inspection Circle under the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-3-78 on attaining the age of superannuation.

The 29th April 1978

No. A.6/247(66)/IV/59.—Shri A. K. Biswas permanent Exam. of Stores (Engg.) and officiating as Inspecting Officer (Engg.) Grade III of IIS (Class I) Engg. Branch in the Office of the Director of Inspection, Calcutta retired from Govt. service w.o.f. the afternoon of 31-3-78 on attaining the age of superannuation i.e. 58 years.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Adm).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 25th April 1978

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIX-

TURE, add "PRM-114 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1979" after the entry "PRM-102".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 22nd April 1978

No. 3015/B/22/66/19A.—Shri D. Sur Chowdhury, Stores Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31st January, 1978 (Afternoon).

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 28th April 1978

No. A-19011(226)/78-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri A. T. Sutaone to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th March, '78 until further orders.

L. C. RANDHIR.
Senior Administrative Officer.
Indian Bureau of Mines.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 6th March 1978

No. 4-147/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Ashok Kumar Bhatia to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at North Western Region, Dehra Dun, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th February, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS.
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 24th April, 1978

No. C-5360/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' posts), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each :—

| Name and Designation | Unit/Office | With effect from |
|---|---|--------------------------|
| 1. Shri Prakash Chandra Malik, Surveyor Sel. Gd. | No. 1 Drawing Office (MP), Dehra Dun | 6th March, 1978(FN) |
| 2. Shri Babu Ram, Draftsman Division I Sel. Gd. | No. 65 (TCM) Party (Surair) New Delhi, | 25th February, 1978 (FN) |
| 3. Shri B. Neelakantan, Survey Assistant Sel. Gd. | No. 24 Party (SC) Bangalore | 1st March 1978(FN) |

K. L. KHOSLA, Major General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 29th April 1978

No. 4(38)/77 SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Machi Reddy Takkolu as Programme Executive, All India Radio, Jagdalpur in a temporary capacity with effect from afternoon of 14th April, 1978 and until further orders.

No. 4(93)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Huan Thangluia as Programme Executive, All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 20th March, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th April 1978

No. A.12026/5/77-Est.I.—Consequent on redesignation of the post of Layout-Cum-Background Artist in the Films Division, New Delhi, to that of Layout Artist, vide Ministry of Information and Broadcasting's letter No. A-12018/7/77-F (A) dated the 9th March, 1978 the designation of Smt. P. Gopalakrishnan the incumbent of the post of Layout-Cum-Background Artist, will be "Layout Artist" from the 9th March, 1978.

M. CHANDRAN NAIR,
Administrative Officer
for Chief Producer

Bombay—400 026. The 18th April 1978.

No. A. 31014/7/75-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints the undermentioned officers In-Between Animators, Films Division, to the posts of In-Between Animator in substantive capacity with effect from the date shown against each :—

| S. No. | Name | Date |
|--------|-------------------------------|---------|
| 1. | Shri V. G. Samant | 1-3-71 |
| 2. | Shri M. A. Naravkar | 8-7-71 |
| 3. | Shri V. K. Wankhede | 29-3-76 |

M. K. JAIN, Assistant Administrative Officer
For Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 20th April 1978

No. A. 19019/21/77-CGHS-I.—On transfer from C.G.H.S., Allahabad, Dr. M. Muthukrishnan, Ayurvedic Physician assumed charge of his post in C.G.H.S., Bangalore on the afternoon of the 10th Feb., 1978.

Dr. M. L. Sharma, Ayurvedic Physician, C.G.H.S., Bangalore relinquished charge of his post on the afternoon of 10th Feb., 1978 for joining his post in CGHS, Delhi.

N. S. BHATIA,
Deputy Director Admin (CGHS).

New Delhi, the 26th April 1978

No. A.19015/5/77-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Balkishan Dass, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of 31st March, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M).

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st May 1978

No. A.12025/2/77-DC.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Jyotirmoy Nandi, as an Associate Bio-Chemist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of the 7th April 1978, until further orders.

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA
(KRISHI VIBHAG)
VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 20th April 1978

No. F.2-13/77-Estt(I).—The appointment of Shri K. K. Sharma in the post of Assistant Administrative Officer has been further continued beyond 30th April 1978 and upto 31st August 1978.

I. J. KAPUR
Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the April 1978

No. A. 19025/80/78-A.III.—Shri S. K. Malik, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 18th April 1978 (FN) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 24th April 1978

No. A.19025/6/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri V. K. Singhal, Asstt. Marketing Officer, New Delhi, retired from Government service w.e.f. 31st March 1978 (AN).

The 29th April 1978

No. A.19025/56/78-A.III.—Shri V. K. Mittal, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, with effect from 1st April 1978 (F.N.) on short-term basis for a period of six months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Admin
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 27th April 1978

Ref. U/83/TSD/Estt II/1669.—Consequent on acceptance of resignation of Shri Padmanabha Pillai, Scientific Officer/Engg. (SB), Technical Services Division, Bhabha Atomic Research Centre, he relinquished charge of his post on 9th September 1977 AN.

The 1st May 1978

No. C/5/Chem/Estt I/1641.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has dismissed with effect from 16th March 1978 FN. Shri Hemendra Chakraborty a permanent Foreman and officiating Scientific Officer Grade SB of the Research Centre.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 14th April 1978

No. PPED/3(288)/76-Adm.—4486.—On his transfer from Narora Atomic Power Project, Shri S. B. Joshi, Scientific Officer/Engineer Grade SB is hereby appointed in the Power Projects Engineering Division at Bombay in the same capacity with effect from the forenoon of April 1, 1978 until further orders.

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 25th April 1978

No. DPS/23(3)/77-Est./12441.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Abdul Aziz Shaikh, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer II, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17th March 1978 to 18th April 1978 (AN), vice Smt. B. Shakuntala, Accounts Officer II, MRAU granted leave.

The 28th April 1978

No. DPS/23(5)/77-Est.12920.—In continuation of this Directorate notification No. DPS/23/2/77-Est., dated March 17, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. C. Gupta, Store Keeper, Stores Unit (D.P.S.), NAPP, Narora to officiate as Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis for a further period upto 15th April 1978 vice Shri B. D. Kandpal, Assistant Stores Officer extended leave.

The 1st May 1978

Ref. DPS/2/1(16)/77-Adm.13387.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated February 23, 1978, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Rastakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period ending June 30, 1978.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600 006, the 10th April 1978

Ref. MRPU-200(16)/78-Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri V. Balakrishnan, an officiating Store Keeper in the Directorate of Purchase & Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same Unit with effect from the forenoon of 9th March 1978 to 9th June 1978.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 19th April 1978

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/547.—WHEREAS it was alleged that Shri Ram Goni, Watchman, NFC, has been in the habit of remaining absent from duty in the past and continuously absconding himself from duty without prior permission with effect from 18th October 1977, and thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) read in conjunction with para 34 of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS the said Shri Ram Goni was informed of the charges levelled against him, vide memo No. NFC/PA V/20/3694, dated 24th December 1977, wherein he was given

an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 7 days from the date of receipt of the said memo,

AND WHEREAS the said memo was returned undelivered by the postal authorities,

AND WHEREAS as required under para 41.2(ii) of the NFC Standing Orders, inquiry committee was constituted to conduct the inquiry, vide order No. NFC/PA.V/20/73, dated 7th January 1978.

AND WHEREAS notice No. NFC/Adm/IRO/241-11, dated 9th January 1978 issued by the Inquiry Officer asking Shri Ram Gopi to present on 20th January 1978 was returned undelivered by the postal authorities with the remarks that 'no such person in that house, hence returned'.

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted inquiry report holding the charges framed against Shri Ram Gopi proved,

AND WHEREAS the said Shri Ram Gopi was issued with the show cause notice No. NFC/PA.V/20/240, dated 30th January 1978, asking him why he should not be removed from service,

AND WHEREAS the said show cause notice returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party continuously absent'.

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that the said Shri Ram Gopi has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without prior permission or intimation and, therefore, he is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 41 of the NFC Standing Orders read with para 43 ibid and DAE Order No. 28(1)/68-Adm., dated 3rd December 1970, hereby orders that the said Shri Ram Gopi be removed from service with immediate effect.

S. P. MHATRE
Senior Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303 the 28th April 1978

No. RAPP/04627/1(291)/78/S/Adminn/993.—Consequent upon his transfer to Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy, Bombay, Shri M. Mukundan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Assistant Personnel Officer in the Rajasthan Atomic Power Project relinquished charge of his post in the forenoon of 5th October 1977.

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 31st March 1978

No. MAPP/3(1267)/78-Adm.—Shri P. Mani is appointed as Scientific Officer/Engineer SB in a temporary capacity in this Project with effect from the forenoon of March 15, 1978 until further orders.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd May 1978

No. A.39012/1/78-EC.—The President is pleased to relieve Shri Devinder Singh Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay on 7th April 1978 (AN) on reversion to his parent Organisation, Overseas Communication Service at his own request.

No. A. 32013/9/77-EC—S. No. 6 of this Deptt. Notification No. A. 32013/9/77-EC dated 11th January, 1978 is amended to read as under :—

| S. No | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|----------|----------------------|-------------------------------|-------------------------------|----------------------------------|
| 6. | Shri T.R. Shastri | A.C.S. Keshod | A.C.S. Bombay | 29-11-77 (FN) |

No. A. 32013/9/77-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date of taking over charge of the higher post or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them at the stations indicated against each:—

| S. No. | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|------------|-------------------------------|---|----------------------------------|
| S/Shri | | | | |
| 1. | V. Alagiri | A.C.S. Madras | A.C.S. Madras | 28-9-77 (FN) |
| 2. | V.C. Reddy | A.C.S. Hyderabad | Radio Const & Dev. Units, New Delhi. | 30-1-78 (FN) |
| 3. | A.K. Tikoo | A.C.S. Srinagar | C.A.T.C. Allahabad | 10-1-78 (FN) |

No. A. 32014/2/77-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants as Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. the dates indicated against each and until further orders and to post them at the stations indicated against each :—

| S.No. | Name | Present station of Posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-------|------------------|-------------------------------|----------------------------|----------------------------------|
| 1. | Shri M.S. Nair | ACS, Madurai | ACS, Rajkot | 31-3-78(FN) |
| 2. | Shri G. Muthuli- | ACS, Vijaya- ngam | ACS Bombay | 29-3-78(FN) wada |

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 22nd April 1978

No. A.32014/1/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. R. Kapoor, Store Assistant as Store Officer (Group 'B' post) with effect from 5th April 1978 FN and until further orders in the Office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.

No. A.38013/1/78-ES.—Shri B. L. SHARMA, Store Officer in the Central Radio Stores Depot, New Delhi, relinquished charge of his office on 31st March 1978 AN on retirement from Government Service on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR
Asstt. Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th April 1978

No. 1/19/78-EST.—Shri A. U. Nayak, Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, retired from service on the afternoon of the 28th February 1978, on attaining the age of superannuation.

No. 1/456/78-EST.—Shri K. G. K. Murthy is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 6th March 1978, and until further orders.

P. G. DAMI
Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 29th April 1978

No. 16/278/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Mohinder Pal as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme on (i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderabad, at its regional centre at the Research Centre, Jabalpur, with effect from the forenoon of 10th February 1978 until further orders.

No. 16/281/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to appoint Shri R. K. Kapoor, Research Assistant Grade I Forest Research Institute and Colleges, as Research Officer in the same office with effect from the forenoon of 24th September 1977.

The resignation tendered by Shri R. K. Kapoor, Research Officer, Forest Research Institute and Colleges, consequent upon his selection in the Indian Forest Service, has been accepted with effect from the afternoon of 4th March 1978.

No. 16/282/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Mohammad Sayeedul Hoque as Research Officer at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 22nd April 1978 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam
Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

The 21st February 1978

C.No. II/3/22/78 Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendents of Central Excise Group 'B' until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

| Sl. No. | Name | Place where posted as Supdt. Group 'B' | Date of joining |
|---------------|-------------------|--|-----------------|
| S/Shri | | | |
| 1. | Victor E. David | Hqrs. office, Madras | 16-1-78 |
| 2. | P. Subramaniam II | A.F.T. Mills, Pondicherry Division | 3-2-78 A.N. |
| 3. | K. Varadarajan | Hqrs. office, Madras | 16-1-78 |
| 4. | B. Venkataraman | Hqrs. office, Madras | 16-1-78 |
| 5. | S. Raman | Hqrs. office, Madras | 16-1-78 |
| 6. | V. Nagamuthu | Pollachi M.O.R. Pollachi Division | 7-2-78 |

Madras-34, the 23rd February, 1978

C.No. II/3/22/77-Estt.—The following Inspectors of Madras Central Excise Collectorate have been appointed to officiate as Superintendents of Central Excise, Group 'B' until further orders and posted, with effect from the dates noted against each, to the place specified against their names.

| Sl. No. | Name | Place where posted as Superintendent Group 'B' | Date of joining |
|---------------|-----------------|--|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| S/Shri | | | |
| 1. | K. E. Henderson | A.F.T. Ltd., Pondicherry Dn | 23-8-7 A.7N |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----------------------|---------------------|--|------------------|
| S/Shri | | | |
| 2. | M. Sivaprakasam | Gudiyatham MOR I & MOR II Vellore Division | 7-9-77 F.N. |
| 3. | H. Mahaboobkhan | Technical I & II & Manjoor MOR., Coonoor Divison | 22-8-77 F.N. |
| 4. | S. V. Krishnamurthi | Palladam MOR, Cecimbatore II Division | 31-8-77 F.N. |
| 5. | R. V. M. Rao | Vaniyambadi MOR, Vellore Dn | 26-9-77 F.N. |
| 6. | Joseph Sandana | Madras II Division | 19-9-77 F.N. |
| 7. | N. Ramakrishnan | Madras III Division | 19-9-77 F.N. |
| 8. | Y. Hassan Khan | MOR I Coimbatore IDn. | 22-9-77 F.N. |
| 9. | S. Arunachalam | Puliampatty MOR Erode Dn. | 22-9-77 F.N. |
| 10. | S. Dwarakanathan | Technical II, Coonoor Dn. | 24-10-77 A.N. |
| 11. | S. Parthasarathy | Inspection Group IV Coimbatore I Division | 22-9-77 F.N. |
| 12. | S. Bhima Rao | Madras IV Division | 21-10-77 F.N. |
| 13. | S. Jayaraman | Dharampuri MOR Salem Dn. | 14-11-77 F.N. |
| 14. | S. Subramaniam | Gobi MOR, Erode Division | 7-11-77 F.N. |
| 15. | R. Ramaswamy Iyer | Gudiyatham (Preventive) Vellore DN. | 7-12-77 F.N. |
| 16. | N. M. Rangaswamy | Ranipet MOR, Vellore Division | 31-12-77 A.N. |
| I. J. RAO, Collector | | | |

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 25th April 1978

MERCHANT SHIPPING

No. 3(8)CRA/78.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri B. M. Chatterjee, Offg. Supdt. Shipping Office, Calcutta to officiate as Asstt. Shipping Master, Calcutta with effect from the forenoon of the 6th March 1978 and until further orders.

M. WALA
Dy. Director General of Shipping

PORT OF NEW TUTICORIN

Tuticorin-628004, the 7th April 1978

No. 10/8/77-Admn.—The Chief Engineer and Administrator, Port of New Tuticorin is pleased to appoint Dr. V. R. Kamalanathan and Dr. Rajam Kamalanathan to the posts of Medical Officer (of Civil Assistant Surgeon's Grade) in the Port of New Tuticorin with effect from the 30th March 1978, on transfer basis.

On transfer of the two doctors, the Chief Engineer and Administrator is also pleased to appoint Dr. V. R. Kamalanathan and Dr. Rajam Kamalanathan in a substantive capacity against the two permanent posts of Medical Officer (of Civil Assistant Surgeon's Grade) in the Port of New Tuticorin with effect from the 30th March 1978 respectively.

D. I. PAUL
Chief Engineer and Administrator

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 25th April 1978

No. A-31012/2/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Sube Singh in the grade of Chief Librarian in the Central Water Commission in a substantive capacity with effect from 30th June 1977.

No. A-19012/680/78-Adm.V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri K. B. Kiroi, Senior Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 17th February 1978, until further orders.

2. Shri Kiroi will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Pune, for a period of two years w.e.f. 17th February 1978.

J. K. SAHA
Under Secy
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd April 1978

No. 1/332/69-ECIX.—The President is pleased to accept the notice dated 5th December 1977 given by Shri M. M. Sharma, Permanent Senior Architect, CPWD, to retire from service. Accordingly Shri M. M. Sharma stands retired from service with effect from 5th March 1978 (AN).

KRISHNA KANT
Dy. Director of Admin

INTEGRAL COACH FACTORY
GENERAL MANAGER'S OFFICE
PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 26th April 1978

No. PB/GG/9/Misc.—On transfer from Railway Board's office Sri P. S. Sivaswamy, Jr. Director, Finance (Stores), reported for duty in ICF and posted as Offg. Dy. Financial Adviser and Chief Accounts Officer/MTP Cell (JA) from 6th February 1978.

Sri A. K. Ganesh, Shop Superintendent, (Cl. III) who has been empanelled for promotion to Class II as Assistant Mechanical Engineer has been promoted to officiate as Asstt. Works Manager/M/Shell (Cl. II) from 16th February 1978 A.N.

Sri V. Rajaraman, Offg. Executive Engineer (SS) has been reverted to Class II as Asstt. Engineer from 16th March 1978 to 5th April 1978. He has been promoted again on Senior scale as Senior Personnel Officer/Shell from 6th April 1978.

Sri M. N. Krishnamurthy, Offg. Senior Accounts Officer/Fur. (SS) has been reverted to Class II service as Asstt. Accounts Officer/Fur. from 22nd March 1978.

Sri R. Sundaram, Offg. Asstt. Accounts Officer/Fur. (Cl. II) has been reverted to Class III service from 22nd March 1978.

Sri M. Subba Rao, Offg. Asstt. Elec. Engineer/Construction (Cl. II) (*ad-hoc*) has been reverted to Class III service from 1st April 1978 FN.

V. RAJARAMAN
Dy. Chief Personnel Officer
for General Manager

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE
New Delhi, the 27th April 1978

No. 26.—Shri Dev Raj Asstt. Personnel Officer who is at present officiating in Senior Scale is confirmed finally

w.e.f. 1st August 1974 in the IRTS Deptt. in Class II Services.

G. H. KESWANI
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE
(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 25th April 1978

No. E/55/III/93 Pt. II(O).—The following IRSME Probationers are confirmed in the Junior Scale as Assistant Mechanical Engineer on this Railway from the date noted against each :

- Sl. No., Name and Date of confirmation
1. Shri R. K. Rao 20-10-74.
2. Shri J. S. Marwaha 1-8-75.

The 26th April 1978

No. E/55/III/94/Pl. III(O).—Shri J. N. Pendse, a Junior Scale Officer of the Civil Engineering Department is confirmed in the Senior Scale with effect from 1st September 1977.

M. R. N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
M. M. Sales and Export (India) Private Limited*

Kanpur, the 17th April 1978

No. 4672/3158-J.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M. M. Sales and Exports (India) Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

M. L. SHAH
Registrar of Companies
U.P. Kanpur

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Kazura Company Private Limited*

Madras-6, the 22nd April 1978

No. DN/1130/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kazura Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Company Act, 1956 and of M/s.
Bombay Capital Provident & General Insurance
Corporation Limited*

Bombay, the 1st May 1978

No. 2203/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bombay Capital Provident & General Insurance Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 Lucknow, the 24th April 1978
 INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 24.—Sri Ram Adhar Singh, Inspector of Income-tax Office of the Income-tax Officer Shahjahanpur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Shahjahanpur on 19-12-77 in the forenoon.

No. 25.—Shri B. K. Bhardwaj, Income-tax Inspector, Office of the Income-tax Officer, Sitapur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, F-Ward, Bareilly on 23-12-77 in the forenoon.

No. 26.—Shri V. K. Kohli, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Sitapur has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Sitapur on 19-12-77 in the forenoon.

No. 27.—Sri R. N. Bhargava, Inspector of Income-tax Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Assistant Controller of Estate Duty, Allahabad on 29-12-77 in the afternoon.

No. 28.—Shri G. S. Misra, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Lakhimpur Kheri has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Lakhimpur Kheri on 19-12-77 in the forenoon.

No. 29.—Shri K. G. Srivastava, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer Circle I, Varanasi has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in

the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Special Squad, Varanasi on 27-12-77 in the forenoon.

No. 30.—Sri Jyoti Shanker Inspector of Income-tax Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax (Audit), Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, (Internal Audit), Allahabad on 30-12-77 in the forenoon.

No. 31.—Sri Satya Narain, Srivastava, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Mirzapur has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-Ward, Mirzapur on 26-12-77 in the forenoon.

No. 32.—Shri Bhullan (SC) Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Circle II, Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer, (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, D-Ward, Moradabad on 23-12-77 in the forenoon.

No. 33.—Sri Phool Singh (SC) Inspector of Income-tax Office of the Income-tax Officer, Hardoi has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Special Squad Allahabad on 31-12-77 in the forenoon.

No. 34.—Sri Ram Charan (SC) Inspector of Income-tax Office of the Income-tax Officer, Deoria has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Special Squad, Gorakhpur on 29-12-77 in the forenoon.

S. K. LALL
 Commissioner of Income-tax

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK**

Rohtak, the 27th April 1978

Ref. No. CHD/59/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 139, Sector 8-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Adarsh Prithpal
W/o S. Prithpal Singh,
C/o Shri Raghbir Singh,
667, Sector 11-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gurmukh Singh
S/o Shri Sarmukh Singh,
2. Mrs. Mohinder Kaur
W/o S. Gurmukh Singh,
3. S/Shri Gurinder Singh and Balinder Singh
S/o Shri Gurmukh Singh,
Residents of Malwa House, Moga,
(Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of annexe building with garrage single storey bearing No. 139, Sector 8-A, Chandigarh.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 686 dated 1-10-1977 by the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sobhna Banerjee.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1978

Ref. No. 125-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

179/3 including Aaraji 5722 sq. yds situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 19-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 179/3, in which Aaraji 5722 sq yds. situated at Civil Lines, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37-G No. 5680 dated 19-10-77 registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhageswar Kalita,
Village Tutimarc, Mouza Panbari,
Chandrapur, District Kamrun (Assam).

(Transferor)

(2) M/s. Makni & Sons,
Bharalumukh, Gauhati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 17th April 1978

Ref. No. A-180/Gau/78-79/1860-61.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Patta No. 23 Dag No. 121 situated at Village Tatimara, Mouza Panbari, Chandrapur, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 14-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Bigha 2 Katha and 8 Lassa situated at village Tatimara Mouza Panbari, Chandrapur, Gauhati in the District of Kamrun (Assam).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
12—76GI/78

Date : 17-4-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/956.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on 5-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Mohd. Amin
S/o Shri Lal Mohd.
R/o New Hostel, Holkar College,
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Babulal
S/o Chottelalji Agarwal,
R/o House No. 14, Street No. 4, Ushaganj,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71, Janki Nagar Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-3-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Joy Builders, "Neel Gagan",
Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rameshchandra Desai,
R/o 20, Joy Builders Colony,
Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/957.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 20, Joy Builders Colony, Near Vallabh Nagar Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/Acq/BPL/77-78/958.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 1-8-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Vimla Kumari
W/o Virendra Kumar Jalori,
Through its power of attorney
Shri Rajesh Kumar Jalori,
Vidisha.

2. Shri Prakashchandra
S/o Shri Rajmal Jalori,
Through its Power of Attorney
Shri Vijay Kumar Jalori,
Vidisha.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Gangwal
W/o Shri Santkumar Gangwal,
R/o Malharganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, situated at Jehangirabad, Bhopal.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/Acq./BPL/77-78/959.—Whereas, I, R. K. BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Nanakram S/o Shri Sunderdas;
2. Shri Motilal S/o Shri Sunderdas Sindhi,
Both resident of 158 Palshikar Colony,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Seth Laxmandas S/o Wadhumal;
2. Smt. Hardevibai W/o Shri Laxmandas;
Both R/o H. No. 9, Jawahar Nagar,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 5, (Northern half portion) situated at Palshikar Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Motilal
S/o Shri Sunderlalji,

2. Smt. Jyotibai
W/o Shri Nanakramji,
Both R/o 158, Palshikar Colony,
Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mangharam and Shri Manmal
S/o Shri Rewachand,
2. Shri Bhagwandas Mannumalji,
All R/o 62, Katju Colony,
Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/Acq./BPL/77-78/960.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 5 (Southern half portion), Palshikar Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Chanandevi w/o Shri Mulakhraj Huriya,
R/o Santosh Kuti, 4 Tukoganj,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/961.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-9-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Phulchand Gindal,
R/o 33-A, Parsi Mohalla,
Indore.
2. Shrimati Gyarsibai
W/o Shri Sadalalji Agarwal,
R/o 43, Murai Mohalla,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 27, Scheme No. 31, Traffic Route No. 6 and 7 of City Improvement Trust, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Savitridevi Lakhota
Wd/o Shri Ramnarayanji Lakhota,
R/o Jayandraganj, City Lashkar,
Gwalior.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

(2) 1. Shri Rameshchandra
S/o Dwarka Prasad Agarwal;
2. Shri Manmohan
S/o Shri Vishambhar Dayal Agarwal,
R/o Jayandraganj, City Lashkar,
Gwalior.

(Transferee)

Bhopal, the 27th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/77-78/962.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 18-10-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property situated at 'Shitoley Sahib ka Bada', Municipal No. (New) 571/5-Ward No. 25, Jayandraganj, Lashkar, Gwalior.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1978

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Geeta Krishnan w/o S. Krishnan
R/o D-11, Central Railway Officer's Quarters,
Dadar, Bombay-14,
Through her General Attorney
Shri S. Krishnan
S/o G. Santhanam

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

(2) Shri Mahavir Prasad Surana,
S/o Shri Suwalal Surana,
Development Manager,
U. CO Bank, Divisional Office,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. E-1/150, Arrear Colony, Bhopal

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-3-1978

Seal :

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
31—76GI/78

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
Bhopal, M.P.

Bhopal, the 27th March 1978

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/77-78/964.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 7-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sajjad Hussain,
2. Shri Saboor Hussain,
3. Shri Hafizudin,
4. Shri Abid Hussain,
5. Shri Fazal Hussain and
6. Shri Abbas Hussain,
All sons of Shri Mulla Mukhtar Hussain Sahab,
R/o Near Balbihar, Bhopal Talkies,
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri Kalyandas Alias Kalyanmal,
S/o Shri Ramchandra,
R/o 37, Sindhi Colony,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 76, Ward No. 2, situated at Regiment Road, Shahjanabad, Bhopal.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Novranglal Tibrewal
S/o Shri Laduram, Advocate
Hirabag, Rambagh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand Oswal
Moti Chowk, Near Kahpta,
Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 26th April 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/396.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jodhpur on 26-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ground floor portion of house property situated on plot No. 9-B-Road Paota Jodhpur and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Jodhpur at No. 1236 dated 26-8-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-4-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Novrangal Tibrewal
S/o Shri Laduram, Advocate,
Hirabag, Rambagh Road, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kamla Kanwar
W/o Prakashchand Oswal
Moti Chowk, Near Khapta,
Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC/Acq/397.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 22-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor portion of house property situated on plot No. 9 Paota B-Road, Jodhpur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jodhpur at No. 1247 dated 22-8-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jasraj S/o Shri Jawarmal
GPA of Shri Raichand
S/o Shri Jasraj,
Mohanpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Moolchand s/o Shri Jasraj and
Rajesh Kumar and Chandraprakash
Sons of Shri Moolchand Oswal,
10-B Mohanpura, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 26th April 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC/Acq/398.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19-B, situated at Mohanpura, Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1st Aug 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated on Plot No. 19-B Mohanpura, Jodhpur (More fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jodhpur vide his No. 1021 dated 1-8-77.)

M. P. VASISHTHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 26th April 1978

Ref. No. Raj/IAC.Acq.R./399.—Whereas, I, M. P.
VASISHTHA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-D situated at Shastrinagar, Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10th August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwandas Bhatia
S/o Shri Mohanlal Bhatia,
IIA, Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Khusaldass s/o Shri Khesukhdass,
9th C-Road, Sardarpura,
Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on Plot No. 11-D Section 4 Shastri Nagar (Masuria) Jodhpur. (More fully described in the conveyance deed by S.R. Jodhpur vide his No. 1018 dated 10-8-77).

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-4-78

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
**ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur, the 26th April 1978

Ref. No. Raj/IAC.Acq.R./400.—Whereas, I, M. P.
VASISHTHA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Jaipur situated at A-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8th September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri Bhawanlal
S/o Late Shri Tirathdass
Adarshnagar, Jaipur
GPA of Smt. Shantidevi
W/o Dr. Jaswant Rai,
7-B Ajanta Apartment,
10 Gurusade Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Dr. Krishana Bhadur Saxena
S/o Sardar Bahadur Saxena and
Smt. Vilma
W/o Dr. Krishan Bahadur Saxena
Resident of Jaipur at present at Iran,
Through G.P.A. Gopal Bahadur
S/o Sardar Bahadur Saxena,
7 Vaa, 18 Jawaharnagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. A-57, Shanti Path, Tilaknagar Jaipur with unfinished structure without flooring etc. (more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide his No. 1601 dated 8-9-77.)

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 26-4-78
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 26th April 1978

Ref. No Raj/IAC/Acq/001.—Whereas, I, M. P. Vasishtha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House and Plot situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ajmer on 2-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhagwatidevi
W/o Shri Murli Malkani
Deswali Mohalla Daggi Bazar,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas S/o Shri Thakardass
Issai Mohalla Bhagwanganj,
Ajmer.
2. Smt. Assudibai w/o Shri Thakardass
Issai Mohalla, Bhagwanganj,
Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house and open plot of land situated at Issai Mohalla, Bhagwanganj, Ajmer more fully described in the conveyance deeds registered by S.R. Ajmer vide his entries No. 1757 and 1758 dated 28-77

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 26-4-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rangrao Abaji Dongale, At : Ghotawade,
Radhanagari, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shetkari Sahakari Tambakhu Kharedi Vikri Sangh,
Ltd. E-1112, Kolhapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 13th February 1978

Ref No. CAS/Karve/Sept '77/351.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 33, Shahu Market Yard, situated at Kolhapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karve on 23-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 33, Shahu Market Yard, Karvir, Kolhapur.
Area : 284.27 sq. mts.

(Property as described in the Sale Deed registered under No. 1913 dated 23-9-1977 in the office of the Sub-Registrar, Karve).

SMT. P. LALWANI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14-76GI/78

Date : 13-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHAWKAR BHAVAN, PLOT NO. 31, GANESH KHIND
ROAD, PUNE-411 005
Pune-411005, the 15th March 1978

Ref. No. CA5/Nasik/Sept'77/Nasik/352.—Whereas, I, Shri SWAMI ANAND BODHISATVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 726 & CTS No. 726/4, Pardi No. 14/4 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik on 22-9-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pethe Public & Charitable Trust through its trustees : (1) M. G. Pethe, (2) S. G. Pethe, (3) (3) S. W. Pethe, Pethe Building, Girgaon, J.S. Road, Bombay-4.

(Transferor)

(2) Dr. Eknath Sakharam Palwe and Mrs. Sushila Eknath Palwe, Maisha Co-operative Housing Society, Sharapur Road, Nasik-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 726 and CTS No. 727/4 with old styled one storied bungalow and open space—within the Municipal limits of Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under No. 1002 dated 23-9-1977 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

SWAMI ANAND BODHISATVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Date : 15-3-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th April 1978

C.R. No. 62/12112/77-78/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO,
being the Competent Authority under Section 269B,
of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing No 16/2, situated at Commissariate Road,
Civil Station, Bangalore (Corporation Dn No. 60)
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Shivaji Nagar Bangalore—Doc. No. 1335/77-78 on
17-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

(1) Mrs. Razia Humayun Dada W/o Muhammed
Humayun Dada, Rep. by her power of Attorney
holder Mrs. Zebumisa Rahim, No. 2, Sir Habibul-
lah Road, T. Nagar, Madras-600 017.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Philip Alexander, 2. Master Philip Joseph
Alexander Rep. by his father and guardian Dr. Phi-
lip Alexander. 3. Dr (Mrs.) Mariamma Alexander,
Anaesthesiologist, W/o Dr. Phillip Alexander. 4.
Shri T. P. Chandy. All are residing at : 812, Palm
Grove Road, Victoria Layout Bangalore-660 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1335/77-78 Dated 17-8-77]
Property bearing No. 16/2, Commissariate Road, Civil
Station, Bangalore (Dn). No. 60.
Boundaries :

N—No. 16/1, Commissariate Road
S—No. 16/3, Commissariate Road
E—No. 11, Magarath Road and
W—Commissariate Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-4-78.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

ACQUISITION RANGE BANGALORE-27

Bangalore 27, the 12th April 1978

C R No 62/11840/77 78/ACQ/B—Whereas I, J S RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No _____
 Property bearing New No 138 and old No 153, Rangaswamy temple street, Bangalore 53, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc No 1299/77-78 on 8-8-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Sri Madhukar Keshavlal Shah, s/o Keshavlal No 138, Rangaswamy Temple Street, Bangalore-53 (Transferor)
- (2) Sri V Otmal s/o Velaji "Mahaveer Traders" Shan-kai Market, E S Lane, Chickpet cross, Bangalore 53 (Transferee)
- (3) 1 Mandal Laxmichand Mehta 2 Chandreswar Pandya 3 D Manakchand Bhai and 4 Indeiraj Bhai (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1299/77 78 Dated 8-8-77
 All that piece and parcel of the property bearing New No 138 and old No 153, Rangaswamy temple street, Bangalore-53.

Boundaries

E—Premises of Sri Nagachar and Sri Ratnalah Setty,
 W—Premises bearing No 139 belonging to Jammu bhairab Pabubhai
 N—Rangaswamy temple street and
 S—Premises of Pitchiah

J S RAO,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 12-4-78
 Seal

FORM ITNS

(1) Sri K. Paparaju No. 178/3A, 1st Cross, Narayana-swamy Iyengar Street, Seshadripuram, Bangalore-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shantaben w/o Bechubhai Chathar, No. 55, Industrial Suburb, Yeswanthapur, Bangalore-22.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th April 1978

C. R. 62/11985/77-78/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. premises bearing No. 178/3A New No. 7, 1st cross, Narayana-swamy Iyengar, street, Seshadripuram, Bangalore-20. situated at.....

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 1471/77-78 on 25-8-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1471/77-78. Dated 25-8-77] Premises bearing No. 178/3A new No. 7, 1st cross, Narayana-swamy Iyengar Street, Seshadripuram, Bangalore-20

Boundaries :

E—Srinivasa Murthy's house.
W—Road.
N—Srinivasan's house and
S—Conservancy lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-4-78.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27**

Bangalore-27, the 14th April 1978

C. R. No. 62/11679/77-78/ACQ/B.—Whereas I, J. S. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing No. 6, 1st Main situated at Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560046.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc. No. 1293/77-78 on 8-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) (1) Sri K. S. Bhanu, S/o late K. Sheshadri Iyer, (2) Smt. Lakshmi Bhanu W/o Sri K. S. Bhanu (3) Master Murali Bhanu, (Children of Shri K. S. Bhanu & Smt. Lakshmi Bhanu), (4) Miss Vijaya Bhanu, All residing at No. 6, 1st Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) (1) Mr. Dara T. Mody, S/o Tehnurus, (2) Mrs. Silloo T. Mody, W/o Dara T. Mody, Both residing at No. 7, Main Road, White Field, Bangalore Distt. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1293/77-78. Dated 8-7-77]
Premises bearing No. 6, 1st Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560046.

Boundaries

N—Premises bearing Municipal No. 10-11, 3rd Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

S—1st Maiu Road, Jayamahal Extension.

E—Premises bearing Municipal No. 102 (New No. 7), 1st Main Road, Jayamahal Extension and

W—Old No. 104 1st Main Road Jayamahal Extension Bangalore.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Lakshmi Bai, W/o Jagdishpershad H. No. 21-1-293 Rikabgunj, Hyderabad.
 (2) Prem Sachdev, S/o Yoginder Sachdev, H. No. 1-1-92 Mecloguda Secunderabad.
 (3) Sri Amjad Ali Khan, Prop. Ashmed Book, Chiragali lane, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 23/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 2, situated at 5-8-525 Chiragali lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 part of premises No. 5-8-525 at Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad (Ground floor below the roof level only) registered vide Doc. No. 2235/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Syed Mahmood, H. No. D-103 at Aswane Shali, P.W.D. Colony, Gulbarga, Karnataka-Estate.
 (2) Smt. Shahzada Begum, W/o Qurban Ali Baig, H. No. 10-4-35/1 at Masab Tank, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 34/78-79.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 10-4-35/1 situated at Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 23-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEULE

Eastern Portion of H. No. 10-4-35/1 situated at Masab Tank, Hyderabad, vide Doc. No. 2056/77 with the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jameelunnisa W/o Syed Mahmood,
H. No. D. 103 Aiwane Shahi P.W.D. Colony,
Gulbarga, Karnataka Estate.

(Transferor)

(2) Smt. Youssuff Begum, W/o Syed Alâmdar Hussain,
H. No. 10-4-35/1 Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 33/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion No. 10-4-35/1 situated at Masab Tank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 23-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Western portion of H. No. 10-4-35/1 at Masab Tank, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2057/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC No. 32/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. 126 & 127 situated at Patelguda, Bongaloor Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ibrahimpatnam, in August, 77 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Shalimar Grape Gardens, Partnership Firm, Represented by partners:
 1. R. K. Soni, S/o Late Tarachand Soni, Mangalpalli Village, Ibrahimpatnam Tq, Hyderabad-Dist.
 2. Vidula Ben C. Patel, W/o late C. N. Patel, Ashoka Apartments, Bombay.
 3. Sharada C. Patel, D/o late C. N. Patel, Ashoka Apartments, Bombay.
 4. Kalyani C. Patel, D/o late, C. N. Patel, Ashoka Apartments, Bombay.
 5. Yatin C. Patel, S/o late C. N. Patel, Ashoka Apartments, Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. M. R. Farms Partnership Firm Represented by Partner:
 1. Smt. Shahni Devi, W/o Meghraj Khurana, 5-9-29/41 Bashcerbagh, Hyderabad.
 2. Om Prakash Khurana S/o Meghraj Khurana 5-9-29/41 Basheerbagh Hyderabad.
 3. Shoba Khurana W/o Bhahmadev Khurana, 5-9-29/41/8 Bashirbagh, Hyderabad.
 4. Shushma Khurana W/o Surinder Kumar Khurana, 5-9-29/41/8 Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property known as "Shalimar Grape Gardens" comprising of agricultural lands admeasuring in all 51 Acres, 34 Gunta, together with grape garden, structures, wells, pipelines, motors, pumps and implements situate in village Bongaloor and the hamlet Patelguda of Mangalpalli Village, Ibrahimpatnam Tq., Hyderabad-Dist. together with all rights and assessments, attached thereto, including the rights under the agreements for taking out water and transporting it by underground pipelines from the adjacent fields.

The particulars of the agricultural lands are :—

| | |
|---|-------------|
| a) Out of S.No. 126, 127 | Admeasuring |
| at Patelguda of village Mangalpalli, Ibrahimpatnam-Tq, under grampampanchayat at Mangalpalli. | 29.02 (Dry) |
| b) Out of S.No. 24 | .. 10.04 " |
| 33 | .. 3.33 " |
| 33 E | .. 0.20 " |
| 34 A | .. 0.20 " |
| 34 AA | .. 1.36 " |
| 51 A | .. 2.00 " |
| 57 AA | .. 1.00 " |
| 25 | .. 1.32 " |
| 53 | .. 1.07 " |

situated at Bongaloor Village, Ibrahimpatnam-Tq, Hyderabad Dist. registered vide Doc. No. 1720/77 with the Sub-Registrar Ibrahimpatnam.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri D. Vaidyanadhan, H. No 3-6-361/10/1 Himayat-nagar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri N. V. Narasimha Raju, H. No. B-52-F-3 Potti Seeramulu Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 31/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3/52 situated at P. S. Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 5-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Block No. 52 at Potti Seeramulu Nagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1912/77 with the Sub-Registrar Khairatabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 30/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4 & 6, situated at S. No. 75 Bahloolkahnguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Raja Yuvaraj Karan, Malwala Palace, Charminar Hyderabad. Ajay Karan, S/o Pratap Karan, Malwala Palace, Charminar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. Janardhan Reddy, R/o Puligilla Village, via. Tekula Somaram, Nalgonda-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 and 6 admcasuring 675 Sq. Yds in S. No. 75 situated at Bahloolkahnguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2162/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 29/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No. 12 & 13 situated at S. No. 75 Bahloolkhanguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Dharamvant Karan, S/o Ram Karan, Clerk of Union Bank of India, High Court Branch, at Pattargatti, Hyderabad. 2. Mohan Karan, S/o Ram Karan, at Malwala Palace, Charminar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Ravinder Reddy, Machinc Tool Aids & Reconditioning, Technocrat, Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 12 and 13 in S. No. 75 admeasuring 1159 Sq. Yds. situated at Bahloolkhanguda, Hyderabad registered vide Doc. No. 2161/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

persons, namely :—
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Raja Shivaraj Karan, 2. Sri Deep Karan, both residing at Malwala Palace, Charminar, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri P. Raghava Reddy, S/o Venkat Reddy, Proprietor, Seven Hills Fluid Power, 13-Technocrats Industrial Estate, Balanagar, Hyderabad-37.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 28/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5 & 7 situated at S. No. 75 Bahloolkhanguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nos. 5 and 7 in S. No. 75 admeasuring 681 Sq. Yds. at Bahloolkhanguda, Hyderabad, registered vide Doc. 2160/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Kumari Ashakaran, D/o Major Iqbal Karan.
R/o Malwala Palace at Charminar, Hyderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Avula Jaya, W/o A. Sambasiva Reddy, 37-B,
Sanjeevn Reddynagar, Hyderabad.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 26/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 11 situated at Bahloolkhanguda, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on August 77
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfervor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 11 and 14 admeasuring 1000 Sq. Yds. in S. No. 75
at Bahloolkhanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No.
2158/77 with the Joint Sub-Registered, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ravi Karan, S/o Raja Maharaj Karan, R/o Malwala Palace, Charminar East, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref. No. RAC. No. 27/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10 & 15 situated at S. No. 75 at Bahloolkhanguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. K. Shalini W/o Sri K. Satyanarayana Reddy, H No. 14-A/3-RT, Sanjiva Reddy Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 10 and 15 admeasuring 1150 Sq. Yds in S. No. 75 at Bahloolkhanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2159/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 15-4-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th April 11978

Ref. No. RAC. No. 25/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot 9 & 16 situated at S. No. 75 Bahloolkhanguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (1) Smt. Shashi Karan W/o S. K. Mahr, Divisional Manager, A.P.S.R.C. Tilak Road, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri P. J. Reddy, C/o M/s Machine Tools, Aids & Reconditioning, Balangar, Hyderabad-500037.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 9 and 16 admeasuring 1150 Sq. Yds. situated in
S. No. 75 at Bahloolkhanguda, Hyderabad, registered vide
Doc 2157/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

16-76GI/ 78

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Salama Begum, G.P.A. Sri Syed Khaja Mohiuddin, H. No. 11-6-650 at Red Hills, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Khaja, H. No. 23-1-808 at Mogalpura, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1978

Ref No RAC. 24/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-825/1 situated at Gaddimalkapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 12-2-825/1 at Gaddimalkapur, Hyderabad, registered vide Doc. No 2099/77 with the Sub-Registrar, Khairatabad.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bimla Devi w/o Shri Kharaiti Lal, Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(2) Sh. Hardip Singh s/o Shri Santokh Singh, Shri Dilbagh s/o Sh. Gurbax Singh, Vill. Thathian Mahantan, Tch. Tarn Taran, (Amritsar).

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)*(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 11th April 1978

Ref. No TT/7/78-79.—Whereas, I S. K. GOYAL, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Godown situated at G.T. Road, Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran in August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One Godown one land measuring about 14½ marlas being 1/3rd of 2K. 3M. 77 Yds as mentioned in the Regd. deed No. 3178 of August, 1977 of Registering Authority, Tarn Taran, Distt. Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date :
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 30th March 1978

Ref. No. 445/TR-90/C-90/Cal-1/77-78.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 41 situated at European Asylum Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North Calcutta on 11-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Netai Chandra Dutta, 16/2, Kumedian Bagan Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Md. Ghayur Ahmed, 24, Balai Dutta Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) (1) Dr. C. R. Das (2) M/s. Halls Engineering Co. (Person in occupation of the property)

(4) Md. Arfin Shamshi, 24, Balai Dutta Street, Calcutta. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All the rights and interests of the Vendor in the immovable property at premises 41, European Asylum Lane, Calcutta (including those arising from the lease dated 25-4-75 registered by the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta as No. I-2362 of 1975) conveyed by deed No. I-3698 of 1977 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-78.

Seal :

FORM ITNS(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA(2) M/s. India Steamship Co. Ltd.,
21, Old Court House Street,
Calcutta-1.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME TAX.**

ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 13th April 1978

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Khedi Pandewar, Teh. Sausar Distt. No. 6, situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 31-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5H, 5th floor, Rajshree Building, at 6, Hastings Park Road, Calcutta, P.S. Alipore.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 13-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 13th April 1978

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 31-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.
(Transferor)

(2) M/s. India Steamship Co. Ltd.,
21, Old Court House Street,
Calcutta-1.
(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9H, 9th Floor, Rajshree Building, at 6, Hastings Park Road, Calcutta, P.S. Alipore.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 13-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 13th April 1978

Ref. No. Ac-3/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 31-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3H, 3rd floor, Rajshree Building, at 6, Hastings Park Road, Calcutta, P.S. Alipore.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 13th April 1978

Ref. No. Ac-4/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. situated at Mouza Gopalpur, P.S. Maheshtolla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 3-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sk. Akbar Ali,
2. Fatima Khatoon,
Both of Bhatsala Nayabasti,
Calcutta-60 and
3. Marium Bibi (Khatoon),
of Shyampore, Budge Budge.

(Transferor)

- (1) 1. Smt. Fatima Bai Hassanbhai Madhywala of 60, Princep Street, Calcutta-13,
2. Smt. Rubob Bai Akbarally Vadnagarwalla of 10, Phears Lane, Calcutta-12, and
3. Zarinabai Sharafally Rangoonwala of P-3, Chandni Chawk, Calcutta-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measurin 1-Bigha, 11- Cottahs along with compound wall, and an old building with outhouses, trees, etc. at Mouza Gopalpore, P.S. Maheshtolla, Distt. 24-Pargns.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 13-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Sati Rani Barman
Sri Sahadeb Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Garia Industries (P) Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta, the 3rd May 1978

Ref. No. AC-1/Acq.R-IVCal//78-79.—Whereas, I, P. P. SINGH being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No.

42, 49, 50, 52 & 53, situated at Mouza Kumrakhali, P.S. Sonarpur 24-Pgs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 22-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of two storied building situated at Dag No. 42, 49, 50, 52 & 53 in Mouza Kumrakhali, P.S. Sonarpur, Dist. 24-Pgs

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

P. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-76G/1/78

Date : 3-5-1978

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 1st May 1978

Ref. No. 4405/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/53 East Lokamanya Road, situated at R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1777/77) on 26-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. K. Vijayan
85 East Ponnaiangam Road,
R.S. Puram P.O.
Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) Shri G. Devaraj,
8/78 Davi & Co. Lane,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3287½ Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 27/53 East Lokamanya Road, R.S. Puram, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 1-5-78

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Mr. Kurian Uthup.
 2. Mr. Kurian Joshua
 (On behalf of M/s. Tamilnadu Trading Co.)
 Timber Merchants,
 Chalakudi, Kerala.

(Transferor)

- (2) M/s. Sri Seenappa Estates
 by its Managing partner
 Shri T. S. Rathnasabapathy
 No. 29 Periaswami Road,
 R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4414/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 12/1A1A 1A situated at Valparai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Anamalai (Doc. No. 805/77) on 25-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

125 Acres of land bearing Survey No. 12/1A1A1A Valparai, Anamalai Hills village.

K. PONNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 1st May 1978

Ref. No. 5778/August/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24, situated at Kalakshetra Colony, Tiruvanmiyur, Madras-41

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Saidapet, Madras (Doc. No. 552/77) on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri K. Venkatasubramaniam
Plot No. 24 Kalakshetra Colony,
Tiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor)

(2) Shri S. Sundaresan
B. 128, 9th Cross Road,
Shastri Nagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.67 (with building situated at Plot No. 24, Kalakshetra Colony, Tiruvanmiyur, Madras-41).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 1-5-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaipal Singh, Shri Sukpal Singh, Shri Inderpal Singh, ss/o Shri Balwant Singh s/o Shri Kartar Singh, Village Chak Suhela Wala, Teh. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jagir Singh s/o Shri Hakim Singh, Village Ghanga Khurd, Teh. Guru Har Sahai.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP.172/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule, situated at V. Ghanga Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guru Har Sahai on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 137 Kanals and 17 marlas in village Ghanga Khurd, Teh. Guru Har Sahai as mentioned in sale deed No. 855 of September, 1977 registered with the S.R. Guru Har Sahai.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. 173/NKD/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per Schedule situated at Talwandi Bharo (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant Singh, Shri Avtar Singh
S/o Shri Lachman Singh s/o Shri Ganga Singh,
R/o Talwandi Bharo,
Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Shri Jagdev Singh
S/o Shri Nazar Singh s/o Shri Harnam Singh,
R/o Rasulpur Kalan,
Teh. Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 Kanals and 18 marlas situated in village Talwandi Bharo as mentioned in sale deed No 1872 of November, 1977 registered with the S. R. Nakodar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuldip Singh s/o Shri Hari Singh
S/o Shri Gajjan Singh,
Village Bargari, Teh. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Shri Sohan Singh, Shri Mohan
Singh ss/o Shri Gajjan Singh,
Village Bargari, Teh. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. 174/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. as per Schedule situated at Bargari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Faridkot on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52 Kanals and 7 marlas situated in village Bargari, as mentioned in sale deed No. 2118 of September, 1977 registered with the S.R. Faridkot.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Surinder Singh s/o Shri Malki Singh,
Village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.
(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Shri Hukam Singh,
Village Kalaran, Teh. Nawan Shehar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

**ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. AP.175/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at village Jandiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanals in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 2824 of October, 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 17th April 1978

Ref. No. A.P. 176/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—76 GI/78

- (1) Smt. Har Kaur wd/o Shri Sher Singh
S/o Shri Sarna Singh and
Smt. Munno & Akko urf Surjit Kaur
Ds/o Shri Sher Singh s/o Shri Sarna Singh,
Village Mehmuna,
Through Shri Sukhdev Singh
S/o Shri Phuman Singh,
R/o Palli Wala, Teh. Suratgarh.
(Transferor)
- (2) Shri Ajay Singh, Shri Naib Singh
S/o Shri Sher Singh s/o Shri Sarna Singh,
R/o Village Mehmuna, Teh. Faridkot.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals and 9 marlas in village Mehmuna as mentioned in sale deed No. 2219 of September, 1977 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-4-1978

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1978

No. Acq. 23-I-1364(635)/1-1/77-88.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 313/A/3/2 Final Plot No. 99, Sub-Plot No. 2, TPS 14 situated at Shahibaug, Police Commissioner's Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad in September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Natwarlal Manilal Shah, Samtheswar Society, Near Perimal Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Virendra Pramukhlal,
2. Shri Shardaben Chimanlal,
3. Jasudben Shantilal,
of Amapark, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 606.18 sq. metres bearing S. No. 313/A/3/2-F.P. No. 99, Sub-Plot No. 2, of proposed T.P.S. No. 14 of Dariapur-Kazipur, and situated at Shahibaug, Police Commissioner's Road, Ahmedabad as fully described in the sale deed bearing Regn. No. 5450 dated 24-8-1977 details of which duly registered in the month of September, 1977 by the registering authority at Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-3-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3rd April 1978

No. Acq.23-I-1394(643)/1-1/77-78.—Whereas, J. S. C.
PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 66, 67 of TPS No. 29, Final Plot No. 31, situated at Wadej, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Indrajit Co-op. Housing Society Ltd., Through—

1. Chairman : Shri Chandulal Manilal,
2. Secretary : Shri Kantilal Mathurdas—both residing at Indrajit Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Girishkumar Pratapbhai Desai,
2. Shri Dushyantkumar Pratapbhai Desai—both residing at Vijay Colony, near Sardar Colony, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 615 sq. yds. bearing Survey No. 66, 67 paiki, TPS No. 29, Final Plot No. 31 Original Plot No. 44-45 of Ahmedabad Wadej area—registered by registering authority in the month of September, 1977—Doctrine No. 6143 dated 20-9-1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 3-4-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1978

Ref. No. P.R. No. 575 Acq.23-1046/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 12, Nondh No. 1722

situated at Jabbar Mahollo, Shahpore, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat in Sep 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Alomay Baharamsha Daruwala, 4055, Station Road, Sikandrabad.
2. Minochar Baheramsha Daruwala, Sikandrabad.
3. Temas Baheramsha Daruwala, 61, Ishak Colony, Sikandrabad.
4. Nariman Baharmsha Daruwala, New Jersey, U.S.A.
5. Nanabhai Baharamsha Daruwala, New York, U.S.A.
6. Maneksha Baheramsha Daruwala, West View, Sayan, Bombay.
P.A. Holder of all :
(i) Dinbai Kharshedji Daruwala, Bibini Wadi, Sayedpura, Surat.
(ii) Parwej Ardesh Nalladar, 12/1131, Machhalipith, Shahpore, Surat.
(iii) Dinbai Kharshedji Daruwala, Bibiniwadi, Saiyedpura, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ahmed Ishakji Ravat, At Jitali T.A. Ankleswar, Dist. Broach.
2. Fatama Ishakji Ravat, At Jitali, T.A. Ankleswar, Dist. Broach.
P.A. Holder of both : Ismail Mohamed Wadiwala, At Jitali TA. Ankleswar, Dist. Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Ward No. 12, Nondh No. 1722, situated at Jabbar Mahollo, Shahpore, Surat, admeasuring 132 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1873 in the month of September by registering Office, Surat.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th April, 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th April 1978

Ref. No. P.R. No. 576 Acq. 23-1047/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 1/369 situated at Nanpura, Bhaya Mahollo, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Barjorji Keshsaru Kavina
Parsiwad, Ankleswar,
Dist. Broach.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal Maganlal
Nanpura, Dhobi Sheri, Surat
(At present Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 1/369, situated at Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat admeasuring 162 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1783 in the month of September 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th April, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandlal Mansukhlal
Member Natraj Apartments,
Bhaga Talav,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th April 1978

Ref. No. P.R. No. 577 Acq. 23-1048/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 1/448 situated at Nanpura, Main Road, Near Darji Mohollo, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) 1. Shri Natverlal Motilal Shah,
2. Smt. Kanchanben Natverlal Shah,
Haripura, Main Road, Surat.
(New Nanpura Main Road, Near Darji Mohollo, Surat.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 1/448, situated at Nanpura Main Road, Near Darji Mohollo, Surat admeasuring 76.8 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1745 in the month of September, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 7th April, 1978
Seal :

FORM ITNS —————

(1) (i) Smt. Chandrikaben wd/wf of Kanjibhai Laljibhai Karia, Khadia Pole No. 2, Baroda.

(ii) Patel Manubhai Ummedbhai; Khambohalaj, Tal. Anand.

(iii) Patel Jasbhai Dahyabhai; Chikhodra, Tal. Anand.

(Transferor)

(2) Shah Manilal Chunilal; Ranoli Tal, Baroda.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th April, 1978

Ref. No. P.R. 578 Acq.23-993/6-1/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 474 and 478/1 and 937 armeasuring 2 Acre 9 gunthas, situated at Ranoli, Tal. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and Building at S. No. 474 and 475/1 and 951, land admeasuring 2 Acre 9 gunthas situated at Ranoli, Tal. Baroda, Dist. Baroda, more fully described in sale-deed registered by registering Officer, Baroda at No. 2485 in the month of September, 1977.

D. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18th April, 1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Amrarchand Trikamchand & Others,
K. L. Trust Building, Revi Bazar,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Mithalal Chhogalal Hundia,
H-J, Hill Park Society, Kankaria,
Ahmedabad.

2. Shri Satischandra Sampatrai Shah,
Himalya Park, Ashram Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 24th April 1978

No. Acq.23-I-1395(655)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 390/1, T.P.S. 10 situated at Rakhial, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Rakhial—S. No. 390/1—T.P.S. 10 Ahmedabad—registered with the Registering Officer, Ahmedabad s per sale deed No. 5286/99 in the 2nd Fortnight of September, 1977 i.e. as fully described in the sale-deed as mentioned above.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 24-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 24th April 1978

No. Acq. 23-I-1391(654)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 229—Parki Sub-Plot No. 9, T.P.S. 27, situated at Bage—Firdose, Amraiwadi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Reyabhai Arjanbhai Patel,
1, Rekhapark, Vijaynagar Road, Naranpura,
Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Smt. Shardaben Babulal Desai,
1, Rekhapark, Vijaynagar Road,
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Bage-Firdosh alias Amraiwadi S. No. 229, Parki Sub-Plot No. 9, T.P.S. 27, Ahmedabad—adm. 906.89 sq. mtre—registered with the registering Officer, Ahmedabad in the second fortnight of September, 1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 24-4-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Jahir Jehangir Vakil and
2. Nilofar Jehangir Modi—
Bottle—Barod, Poona-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th April, 1978

Ref. No. P.R. 656Acq.23-I-1361(656)/1-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 189/A/2—F.P. No. 232 paiki Sub-plot 4/A situated at Shahbaug, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Rani Sati Seva Samiti Through Trustees;
1. Shri Krishna Agarwal & others, Bombay Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Rani Sati Seva Samiti Through Trustees;

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Land and building at Dariapur Survey No. 189/A/2 Final Plot No. 232 Paiki Sub-Plot No. 4/A-T.P.S. 14—On Raj Bhavan Road, Shahibag, Ahmedabad duly registered with the Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 5810 dated 3-9-1977.

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 26th April, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lall Chand Dhingra
S/o Shri Sant Ram Dhingra
R/o R-253, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmeet Kaur
W/o Shri Skinder Pal Singh
2. Mrs. Gunita Gulati
W/o Shri Swarn Pal Singh
R/o 3329, Gali Dor Wali, Mori Gate,
Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
4/1A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/112/Aug.II/77-78/411.—Whereas I, J. S. GILL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R-253 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building constructed on a plot of land bearing No. R-253 measuring 208 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi and bounded as under—

North : House No. R-251
South : House No. R-255
East : Service Lane
West : Road

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 5-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,**

NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th May 1978

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/1134/Aug.I(7)/77-78/411.—
Whereas I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Khasra No. 231 situated at Village Bhati, Tehsil, Mehrauli (Delhi)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Bhuley, Data Ram and Ram Swarup
S/o Jamuna Dass
R/o Fatehpur Beri Vill. Bhati,
Tehsil, Mehrauli (Delhi).

(Transferor)

(2) Smt. Chander Kanta W/o Krishan Lal
R/o 2828, Chuna Mandi,
Gali No. 5, Paharganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of farm land bearing Khasra No. 231 measuring 4 Bighas and 16 Biswas, situated in the Village area of Bhati, Tehsil Mehrauli (Delhi).

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-5-1978
Seal :

STAFF SELECTION COMMISSION

NOTICE

GRADE C STENOGRAPHERS LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 20th May 1978

No. 13/2/78-EA.—A limited departmental competitive examination for making additions to the Select List for Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service, Grade II of Stenographers Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) Grade C of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service will be held by the Staff Selection Commission on the 14th September, 1978 in BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the Department of Personnel and Administrative Reforms in the Ministry of Home Affairs in the Gazette of India dated 20th May 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATES THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. The approximate number of vacancies in the Services mentioned above for which recruitment is to be made on the basis of the examination is given below :—

| | |
|--|------|
| (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C | 25** |
| (ii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade II | 7** |
| (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C | * |
| (iv) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C | 4*** |

*. The above numbers are liable to alteration.

*Will be determined later.

Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Controller of Examination, Staff Selection Commission, West Block I, Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Commission's office up to the 12th June, 1978. They are also obtainable from the Commission by post up to the 12th June, 1978 on payment of Rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/c Payee only' crossing and payable to the Staff Selection Commission. The name of the examination GRADE C STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1978 SHOULD BE CLEARLY INDICATED IN THE requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of posting. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1/- will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public

Service Commission—Staff Selection Commission—Other Receipts—Sale of Applications forms", (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Department of Personnel & Administrative Reforms, New Delhi), obtain a receipt in TR5 form from that office and forward the receipt to the Commission. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 12th June, 1978 except from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep which will, however, be entertained upto the 26th June, 1978.

4. The completed application form must reach the Controller of Examinations, Staff Selection Commission, West Block I, Wing No. 6, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, on or before the 12th June 1978, accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidate contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the 12th June 1978 will, however, be accepted upto the 26th June 1978.

NOTE 1 :—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1978. Applications on forms other than the one prescribed for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1978 will not be entertained. The applications on forms marked 'For Official Use only' will also not be entertained.

NOTE 2 :—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 3 :—Applicants who submit their applications at the Commission's counter should obtain the acknowledgement cards from the clerk who receives the applications from them.

5. (i) Prescribed Fee—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-para (iii) below, must pay the following fee to the Commission with the completed application form :—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Staff Selection Commission or by Bank draft drawn on The State Bank of India at its Parliament Street, New Delhi Branch. The Postal Orders should be filled as per specimen given below :—

| | |
|-----------------------|--|
| <i>A/c payee only</i> | Pay to Staff Selection Commission New Delhi POSTAL ORDER at Sarojini Nagar Post Office New Delhi-110023 |
|-----------------------|--|

The Commission will not accept payment of fee sent through Money Orders or cheques or currency notes.

(iii) The Commission may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE STAFF SELECTION COMMISSION, NEW DELHI AT SAROJINI NAGAR POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN COLUMN 11 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS OR BANK DRAFTS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLA DESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE, 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA (iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Commission, because of late receipt of his application, his application alongwith the postal orders, will be returned to him.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Controller of Examination Staff Selection Commission, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Staff Selection Commission concerning this examination, candidates should invariably supercribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, 1978."

VIVEK BHATTACHARYA
Controller of Examinations.
Staff Selection Commission.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Controller of Exams, Staff Selection Commission in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SPECIFIED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions, (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at his own expenses at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad and exercises the option to answer papers on (ii) Essay and (iii) General Knowledge and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expenses, at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Controller of Examination, Staff Selection Commission West Block No. 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 6 OF THE APPLICATION FORM, THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED, AND THE SHORT-HAND TESTS TAKEN, IN ENGLISH.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may, at the discretion of the Commission, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of application form and forward it to the Commission.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. (1) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Staff Selection Commission at Sarojini Nagar Post Office, New Delhi or bank draft drawn on the State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi for the prescribed fee.
 - (ii) (a) Certified true copy of the first page of his service book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
 - (b) Certified true copy of the particulars of his service since 1st January, 1974 attested by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
 - (iv) Documents required (where application) *vide* paragraph 6 below.
- (2) Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—
- (i) CROSSED Indian Postal Orders or bank drafts for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Postmaster and a clear stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED and filled in as follows :—

"Pay to the Staff Selection Commission at Sarojini Nagar Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

All bank drafts should be in favour of Staff Selection Commission and drawn on the State Bank of India at its Parliament Street Branch, New Delhi.

NOTE 3.—Candidates serving abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the case prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00, in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051—Public Service Commission—Staff Selection Commission—other Receipts—Examination fees" (adjustable by the Pay and Accounts Officer, Deptt. of Personnel and Administrative Reforms, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

- (ii) (a) Certified true copy of the first page of the service book attested by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (Husband's name in the case of a married woman Government servant) nationality, name of the Schedule Caste/ Scheduled Tribe in the case of candidates belonging to such caste or tribe, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification, and specimen signature of the candidate.
- (b) Certified true copy of his particulars of service since 1-1-1974 attested by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

NOTE.—The Commission may, if it considers necessary, call for the service book or other documentary evidence.

- (iii) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph one of which should be pasted on the application form in the spaces, provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (iv) The documents required *vide* para 6 below (where applicable) in support of a claim for remission of fee, and/or relaxation of age must be submitted along with the application failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 4 above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application, should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise the application is liable to be rejected.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them, nor should they submit tampered documents. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6. (i) A displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangladesh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge; and
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce certificate in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the notice and/or age concession under Rule 4(c)(ii) or 4(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession under Rule 4(c)(iv) or 4(c)(v) should produce an attested copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) should produce an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 4(c)(vi) or 4(c)(vii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign

Country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Name.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 4(c)(viii) or 4(c)(xii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force, in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri..... of Unit was disabled while in the Border Security Force in operation during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Name.....

Designation.....

Date.....

7. Candidates are required to submit along with their applications copies of their certificates mentioned in para 6 above, attested by a Gazetted officer of Government or certified by candidates themselves as correct.

8. The candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Commission :—

- (i) Postal Orders/Bank drafts.
- (ii) One extra copy of photo (another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Certified true copy of the first page of his Service Book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (v) Certified true copy of the particulars of his service during the three years ended 1-1-1978 by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.

(vi) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangladesh, etc.

(vii) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.

(viii) Any other certificate the candidate wishes to send.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate who sends his application by post, and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed, at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Staff Selection Commission, a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Commission. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Staff Selection Commission, for attending the examination.

13. Copies of pamphlets containing rules and question papers for the Grade C Stenographers' Limited Departmental Competitive Examinations held by the Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)/Subordinate Services Commission in previous years are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) The Kitab Mahal, State Emporia Building, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110011, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udvog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) The Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for Government of India Publications at various mofussil towns.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM/HER AT THE ADDRESS STATED IN HIS/HER APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION, ALONGWITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER AND THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.